दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन
वर्ष 54/ अंक 154/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
भोपाल, सोमवार 30 दिसंबर 2024 भोपाल से प्रकाशित
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14
dainiksandhyaprakash.in

हिमाचल में ढाई फीट बर्फ, 340 सड़कें बंद

नई दिल्ली/श्रीनगर/भोपाल। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में लगातार बर्फबारी हो रही है। हिमाचल में 340 सड़कों पर आवाजाही बंद हो गई है। छितकुल में ढाई फीट से भी ज्यादा बर्फ पड़ी है, जिससे कई टूरिस्ट फंस गए हैं। कश्मीर में बर्फबारी के चलते श्रीनगर-लेह रोड बंद है।

उत्तराखंड में एवलांच का अलर्ट

कश्मीर यूनिवर्सिटी के एग्जाम रद्द किए गए हैं। करीब 1800 गाड़ियां फंसी हुई हैं। गांदरबल, सोनमर्ग, पहलगाम, गुंड, बारामूला समेत कई जगहों पर तापमान माइनस 10 से 22 डिग्री तक पहुंचा। यहां पर एक फीट तक बर्फबारी भी हुई, जिससे करीब 2 हजार पर्यटक अलग-अलग जगहों पर फंस गए। स्थानीय कश्मीरियों ने घर और मस्जिद के दरवाजे खोले। इन्हें रुकने की जगह दी, कंबल रजाई के साथ खाने-पीने का गर्म सामान भी दिया। उत्तराखंड के चमोली जिले में अगले 24 घंटों में 3 हजार मीटर से ज्यादा की ऊंचाई पर एवलांच (बर्फ ढहना) का ऑरेंज अलर्ट है। बद्रीनाथ नेशनल हाईवे पांडुकेश्वर-बद्रीनाथ के बीच बर्फबारी के कारण बंद है।

सांध्यप्रकाश विशेष

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर का निधन

नई दिल्ली/जॉर्जिया। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर का रविवार को 100 साल की उम्र में निधन हो गया। जॉर्जिया के प्लेन्स स्थित अपने आवास में उन्होंने आखिरी सांस ली। वाशिंगटन पोस्ट ने उनके बेटे जेम्स ई कार्टर- तृतीय के हवाले से बताया कि अस्पताल में

लंबे समय तक रहने के बाद पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर ने घर वापस चलने की इच्छा जताई और घर पर रहकर इलाज लेने को कहा। इसके बाद उन्हें घर लाया गया था।

जिम कार्टर के निधन पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और प्रथम महिला जिल बिडेन ने शोक जताया है। जो बाइडेन ने उन्हें एक असाधारण नेता, राजनेता और मानवतावादी बताया।

अमेरिका के 39वें राष्ट्रपति 1976 में जिमी कार्टर अमेरिका के 39वें राष्ट्रपति बने। जिमी कार्टर को कैंप डेविड समझौते के लिए याद किया जाता है। इसी समझौते के तहत 1967 के छह दिवसीय युद्ध में कब्जाए गए क्षेत्र से पहली बार इजरायल की वापसी हुई और इजरायल-मिस्र के बीच शांति संधि हुई। इन्होंने देशी तेल के सस्ते विकल्प के तौर पर अक्षय ऊर्जा का बीड़ा उठाया।

मिला था नोबल पुरस्कार

जिमी कार्टर को अमेरिका में उनके कार्यों के सम्मान में जिसमें अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान ढूंढने, लोकतंत्र और मानवाधिकारों को आगे बढ़ाने और आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने के लिए नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

किसान आंदोलन के समर्थन में पंजाब बंद

चंडीगढ़। फसलों की एमएसपी का गारंटी कानून समेत 13 मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे किसानों के समर्थन में पंजाब बंद है। किसानों ने सुबह 7 बजे से 140 जगह पर हाईवे और रेलवे ट्रैक जाम किए हैं। इनमें अमृतसर-दिल्ली, अमृतसर-जम्मू और फिरोजपुर हाईवे समेत अन्य रोड शामिल हैं।

किसानों के समर्थन में कई जगह बाजार के साथ पेट्रोल पंप बंद हैं। हालांकि लुधियाना का चौड़ा बाजार खुला है। बसें और ट्रेनें न चलने से लोगों को परेशानियों को सामना करना पड़ा रहा है। 8 राज्यों में 576 रूट पर चलने वाली बसों के पहिए थमे हुए हैं। वहीं, बाहरी राज्यों से भी पंजाब में बसें नहीं आ रही हैं।

रेलवे ने वंदे भारत समेत कुल 167 ट्रेनों को रद्द किया है। रेलवे स्टेशनों पर क्क पुणे, बिहार और कोलकाता समेत अन्य राज्यों के यात्री परेशान दिखे। कई यात्रियों ने तो ट्रेन कैंसिल होने पर होटल में रूम बुक किए। लुधियाना में रोकने पर लोगों और किसानों में बहस हो गई। इस दौरान किसानों ने लोगों को कहा कि हमारा साथ दीजिए। वहीं जालंधर में दूल्हे ने गाड़ी से उतरकर किसानों के धरने में किसान मजदूर एकता का झंडा थामा। पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ समेत सभी यूनिवर्सिटी ने आज होने वाले एग्जाम स्थगित कर दिए थे।

बिहार में ट्रेनें रोकीं, समस्तीपुर, आरा में सड़क जाम

पटना। बिहार लोकसेवा आयोग की 70वीं प्रारंभिक परीक्षा को रद्द कराने की मांग को लेकर 13 दिनों से कैंडिडेट्स का धरना जारी है। इधर, अभ्यर्थियों के समर्थन में लेफ्ट और राजद ने आरा और दरभंगा में ट्रेनों को रोका है। छात्र संगठन के कार्यकर्तओं ने इंजन पर खड़े

होकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और री एग्जाम की मांग की।

रेलवे ट्रैक पर प्रदर्शन के दौरान दरभंगा में बिहार संपर्क क्रांति ट्रेन 1 घंटे रुकी रही। आरा में बक्सर-पटना पैसेंजर ट्रेन को 10 मिनट तक रोककर रखा गया। इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाकर ट्रेन को रवाना करवाया। छात्र संगठनों ने आरा, बेतिया और समस्तीपुर में सड़क जामकर प्रदर्शन किया है। प्रदर्शनकारियों ने समस्तीपुर-पटना रोड को जाम कर दिया। जाम के कारण कई गाड़ियां फंस गई। 3 घंटे बाद पुलिस ने ये जाम खुलवाया। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) और इंकलाबी नौजवान सभा (आरवाइए) इस प्रदर्शन में शामिल हैं।

मोहन यादव आज लेंगे चार संभागों की समीक्षा बैठक, नए साल के लिए बनाई जाएगी रणनीति

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव नए साल से पहले एक्टिव मोड में नजर आ रहे हैं. इस बीच मुख्यमंत्री मोहन यादव सोमवार, 30 दिसंबर को चार संभागों की समीक्षा बैठक लेंगे. सीएम रीवा, शहडोल, ग्वालियर, चंबल संभाग की समीक्षा बैठक लेंगे.

विकास कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक– सीएम मोहन सबसे पहले रीवा और शहडोल संभाग की बैठक लेंगे. इसके बाद ग्वालियर और चंबल संभाग की समीक्षा बैठक लेंगे.

जानकारी के मुताबिक, सीएम मोहन यादव विकास कार्यों और पिछले दिए गए टारगेट को लेकर बैठक में समीक्षा लेंगे. इस दौरान आने वाले नए साल यानी 2025 को लेकर रणनीति भी बनाई जाएगी. बता दें कि सीएम मोहन यादव लगातार अधिकारियों के साथ बैठक ले रहे हैं.

सोमवती अमावस्या पर पवित्र नदियों में आस्था की डुबकी

उज्जैन/जबलपुर। उज्जैन में कड़ाके की ठंड में सोमवती अमावस्या पर सोमवार को मोक्षदायिनी शिप्रा नदी में श्रद्धालु बड़ी संख्या में डुबकी लगाने पहुंच रहे हैं। इस दौरान कुछ भक्त सोमती कुंड में भी स्नान कर रहे हैं। यहां रात का तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके बाद भी उत्साह देखते बन रहा है। भीड़ को देखते हुए पुलिस के साथ एसडीआरएफ की टीम भी तैनात की गई है।

इसी तरह जबलपुर में भी नर्मदा नदी में स्नान के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। अब तक 50 हजार से ज्यादा श्रद्धालु ग्वारी घाट और जिलहरी घाट में स्नान कर चुके हैं। यहां ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से आए पर्यटकों ने भी नर्मदा नदी में डुबकी लगाई। उन्होंने इसे शानदार अनुभव बताया।

स्नान कर तीर्थ पर दान-पुण्य कर रहे श्रद्धालु

ग्रामीण क्षेत्रों से आए श्रद्धालु उज्जैन के सोमकुंड में स्नान कर तीर्थ पर दान-पुण्य और पितृ कर्म कर रहे हैं। सुबह से ही श्रद्धालु रामघाट पर डुबकी लगाने पहुंच रहे हैं। महाकाल मंदिर सहित शहर के अन्य मंदिरों में भी दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी है। शिप्रा घाट की ओर जाने वाले रास्ते पर बैरिकेड्स लगाए गए हैं। सोमतीर्थ स्थित सोमकुंड में पर्व स्नान की व्यवस्था की गई है। सोमवती अमावस्या पर शिप्रा नदी के साथ-साथ सोमकुंड में भी स्नान करने की परंपरा भी है। शिप्रा घाट पर पंडितों ने घाट के ऊपर स्थित धर्मशाला में पितरों के निमित्त पिंडदान और तर्पण कराया।

मेलबर्न टेस्ट हारा भारत

ऑस्ट्रेलिया ने 184 रन से हराया

मेलबर्न। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट 184 रन से हार गई है। इस हार का सबसे बड़ा कारण थर्ड अंपायर्स का एक विवादित फैसला रहा, जिसमें यशस्वी जायसवाल 84 रन

बनाकर आउट हुए। उन्हें फील्ड अंपायर ने नॉटआउट दिया था, लेकिन रिव्यू पर पर्याप्त सबूत नहीं होने के बावजूद थर्ड अंपायर्स ने उन्हें आउट किया।

जब जायसवाल का विकेट गिरा, तब भारत को मैच ड्रॉ कराने के लिए 22 ओवर खेलने थे और 3 विकेट बाकी थे। ऐसे में यहां भारत मैच ड्रॉ करा सकता था, लेकिन यशस्वी के विकेट के बाद भारत का लोअर ऑर्डर (आखिरी 3 बैटर्स) बिखर गया। सोमवार को टीम इंडिया के सामने यह स्थिति टॉप ऑर्डर बैटर्स के खराब परफॉर्मेंस की वजह से आई। यशस्वी के अलावा, शुरुआती 3 बल्लेबाज रोहित शर्मा (9), केएल राहुल (0) और विराट कोहली (5) दहाई के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाए।

रीवा संभाग में एमपीआरडीसी के निर्माण कार्यों की उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने समीक्षा की

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने मंत्रालय में रीवा संभाग में मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) की महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि सभी परियोजनाओं में गुणवत्ता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए ताकि आमजन को इन महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं का शीघ्र लाभ मिल सके।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने सीधी से सिंगरौली 4-लेन (लंबाई 105.59 किमी) और रीवा बायपास (लंबाई 19.20 किमी) के निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ कार्यों को पूर्ण किया जाए। बताया गया कि सीधी-सिंगरौली मार्ग का शेष निर्माण कार्य 30 जून 2025 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। रीवा बायपास का कार्य आगामी दो वर्षों में पूर्ण किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल को बताया गया कि रीवा-बायपास के लिए आरओडब्ल्यू उपलब्ध है और चिन्हांकन का कार्य प्रगतिरत है।

बुलेट की स्पीड से तेज दो-स्पेसक्राफ्ट स्पेस में जोड़ेगा इसरो

रात 10 बजे स्पेडेक्स मिशन की लॉन्चिंग

नई दिल्ली। इसरो ने अपने महत्वकांक्षी अंतरिक्ष मिशन स्पेडेक्स की लॉन्चिंग को दो मिनट आगे बढ़ा दिया है। इसरो का यह मिशन उसके अंतरिक्ष कार्यक्रम में मील का पत्थर साबित होगा। पहले इसरो अपने स्पेस डॉकिंग मिशन स्पेडेक्स की लॉन्चिंग सोमवार रात 9.58 पर करने वाला था, लेकिन अब यह

लॉन्चिंग दो मिनट की देरी से रात 10 बजे होगी। हालांकि लॉन्चिंग के समय में इस बदलाव की वजह इसरो ने नहीं बताई है। इसरो ने सोमवार को एक अपडेट में कहा, लॉन्च का दिन आ गया है। आज रात ठीक 10 बजे, स्पेडेक्स और नए पेलोड के साथ पीएसएलवी-सी60 उड़ान भरने के लिए तैयार है। इस मिशन में अंतरिक्ष में बुलेट की स्पीड से दस गुना ज्यादा तेजी से ट्रैवल कर रहे दो स्पेसक्राफ्ट को मिलाया जाएगा। इसे डॉकिंग कहा जाता है।

केजरीवाल का एक और बड़ा एलान

पुजारियों और ग्रंथियों को हर माह मिलेंगे 18,000

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पुजारी और ग्रंथि सम्मान योजना का एलान किया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा, आज मैं जो योजना का ऐलान करने जा रहा हूं उस योजना का नाम पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना है। इसके तहत मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारे के ग्रंथियों को हर महीने सम्मान राशी देने का प्रावधान है। उन्हें 18,000 रुपये प्रति माह सम्मान राशी दिया जाएगा। अरविंद केजरीवाल कल कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर से इस योजना के लिए रजिस्ट्रेशन की शुरुआत करेंगे। केजरीवाल ने एक्स पर लिखा, आम आदमी पार्टी के जीतने पर दिल्ली में मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारा साहिब के ग्रंथियों को ?18,000 प्रति माह की सम्मान राशि दी जाएगी।

चंबल अभयारण्य में रिश्वत का खेल: सीसीएफ, डीएफओ सबको बंटता है पैसा ही पैसा!

श्योपुर। श्योपुर के राष्ट्रीय चंबल अभ्यारण्य के अधीक्षक योगेंद्र पारदे के दो विवादित वीडियो सामने आए हैं। इनमें वह वनकर्मियों को चंबल नदी से रेत निकालने और माफिया से मिले पैसों को वरिष्ठ अधिकारियों में बांटने की बातें करते हुए नजर आ रहे हैं। यह मामला तेजी से सुर्खियां बटोर रहा है और प्रशासनिक भ्रष्टाचार पर सवाल खड़े कर रहा है।

वीडियो में क्या कहा गया?– पहले वीडियो में योगेंद्र पारदे ने अपने अधीनस्थ वनकर्मियों को चंबल नदी के घाटों से रेत उत्खनन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, 7 लाख रुपए आएंगे। सीसीएफ, डीएफओ, और रेंजर सबको बंटेगा। मेरे पास डेढ़ लाख रुपए बचेंगे।

दूसरे वीडियो में पारदे किसी से फोन पर बात करते हुए कह रहे हैं, अगर पैसे अकेले रखे तो मैं बचूंगा नहीं। गड्ढा मूंदना पड़ेगा या दूसरी जगह ले जाना होगा।

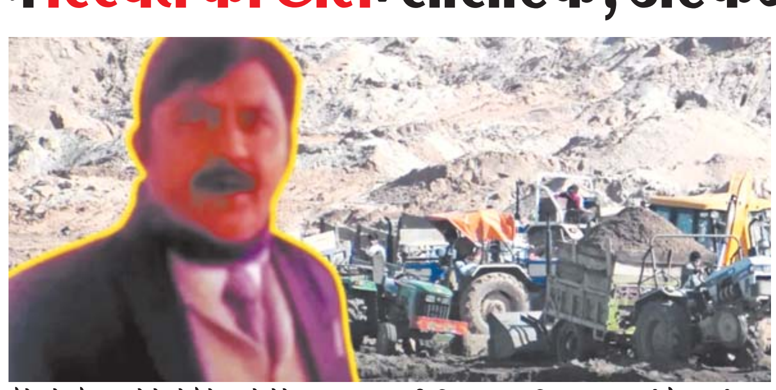

मैनेजमेंट है, 10 लोगों को पैसे बांटने होंगे।

एक अन्य ऑडियो क्लिप में पारदे ने एक ग्रामीण को गाली देते हुए कहा कि तुम रेत निकाल रहे हो तो मगरमच्छ तो कहीं जाएगा। मैं मगरमच्छ से तुम्हें कटवाऊंगा। यह क्लिप भी विवाद का हिस्सा बन गई है। पर्यावरण प्रेमी अजीत शर्मा ने कहा, यह पहली बार नहीं है। पारदे पहले भी रिश्वतखोरी के आरोपों में चर्चाओं में रहे हैं। लेकिन, कोई कार्रवाई नहीं हो रही।

ग्रामीण से कहा-मगरमच्छ से तुम्हें कटवाऊंगा

ऑडियो में ग्रामीण अधीक्षक पारदे से दलारना गांव में मगरमच्छ घुसने की बात कह रहा है। इस पर वे ग्रामीण को गाली देते हुए कह रहे है कि तुम रेत निकाल रहे हो तो मगरमच्छ तो कहीं जाएगा न। मैं मगरमच्छ से तुम्हें कटवाऊंगा। 4 और मगरमच्छ छोडूंगा। इस बारे में पर्यावरण प्रेमी एवं समाजसेवी अजीत शर्मा का कहना है कि राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य विभाग की अधीक्षक योगेंद्र पारदे का इस तरह का यह कोई पहला मामला नहीं है। बल्कि, वह पूर्व में भी इस तरह की रिश्वतखोरी को लेकर चर्चाओं में रहे हैं। वीडियो भी सामने आ गए, फिर भी जिम्मेदार कोई एक्शन नहीं ले रहे हैं।

प्रशासन की प्रतिक्रिया

जब इस मामले में एक स्थानीय पत्रकार ने पारदे से बात की, तो उन्होंने कहा, आप पॉजिटिव खबर लगा देना। वीडियो-ऑडियो हफ्ते भर पुराना है। वहीं, डीएफओ सुजीत पाटिल ने कहा कि उन्हें भोपाल से वरिष्ठ अधिकारियों के फोन आए हैं और मामले की जांच करवाई जाएगी।

विज्ञान मेले में नगरीय विकास विभाग का स्टॉल, प्रदर्शनी में विज्ञान और योजनाओं की दी जा रही जानकारी

स्कॉच अवार्ड से पुरस्कृत धर्मपुरी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का मॉडल प्रदर्शित किया

भोपाल। जम्बूरी मैदान में विज्ञान भारती एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सहयोग से आयोजित विज्ञान मेले में बच्चों, युवाओं और नागरिकों को देश-दुनिया में विज्ञान के क्षेत्र में हो रही तरक्की की जानकारी आकर्षक मॉडल्स के माध्यम से दी जा रही है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी के लिये विज्ञान मेले में स्टॉल लगाया है। स्टॉल में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, मेट्रो, अमृत योजना और स्वच्छ भारत मिशन की जानकारी नागरिकों को दी जा रही है। स्टॉल में विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेव्हलपमेंट कम्पनी द्वारा स्कॉच अवार्ड से पुरस्कृत धर्मपुरी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का मॉडल प्रदर्शित किया गया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अंतर्गत ग्वालियर में निर्मित की गयी कॉलोनी और नगर निगम भोपाल के बॉयो सीएनजी प्लांट सहित भानपुर खंती उद्यान का मॉडल भी प्रदर्शित किया गया है। स्टॉल पर मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड की परियोजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है। विज्ञान मेले का समापन 30 दिसम्बर को दोपहर बाद होगा। विज्ञान मेले की शुरूआत 27 दिसम्बर को हुई थी।

व्यास गादी का पूजन कर कथा को श्रवण किया

भोपाल। वार्ड 73 के पार्षद राजू राठौर तथा भाजपा अजजा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भोपाल जिला प्रभारी बालिस्ता रावत ने श्रीमद् भागवत कथा में व्यास गादी का पूजन कर कथा का श्रवण किया, राजू राठौर ने संबोधित कर बताया कि श्रीमद् भागवत कथा हिंदू धर्म के महत्वपूर्ण ग्रंथों में से एक है, जिसमें भगवान कृष्ण की लीलाओं और जीवन के उद्देश्यों के ज्ञान की प्राप्ति होती है, बालिस्ता रावत ने कथा का श्रवण कर रहे परिवार के सुख, समृद्धि की प्रभु से की प्रार्थना की, कथा के आयोजक पंडित राजीव द्विवेदी ने बताया कि पंडित शिवानंद महाराज के द्वारा कथा का वाचन किया जा रहा है, कथा का आज पांचवां दिन है, जय महाकाल दुर्गा उत्सव समिति के पदाधिकारीयों के द्वारा कथा का आयोजन कराया जा रहा है। इस अवसर पर शिवभानु राजपूत, कंछेदीलाल साहू, कमलेश चौहान, रामनारायण पटेल, सुनील साहू, सुनील नामदेव, शैलेंद्र यादव, कृष्णा यादव तथा तथा समिति के अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

नमो नमी मोर्चा भारत की प्रदेश बैठक आयोजित हुई

भोपाल। नमो नमो मोर्चा भारत की मध्यप्रदेश की बैठक हॉट बजार 9मसाला होटल मेँ सम्पन्न हुई. बैठक मेँ नमो नमो मोर्चा भारत के राष्टीय अध्यक्ष माननीय श्री विजय हटवार नागपुर से पधारे. राष्टीय अध्यक्ष विजय हटवार,प्रदेश अध्यक्ष गुलाब गोल्हनी, सरंक्षक पुरषोत्तम गुप्ता, जे एल गुप्ता, पूर्व प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सत्येंद्र साहू, किशोर लहरपुरे, योगेश साहू, संतोष साहू, मुकेश साहू महामंत्री जे पी साहू, हरिद्वार से लखन पाल महाराज, गणेश साहू ने सर्वप्रथम भारत माता का पूजन कर दीप प्रज्जवलित किया.बैठक को सम्बोधित करते हुए पूर्व प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सत्येंद्र साहू ने कहा कि सर्व समाज की जातियों के पैतृक धंधे बंद होते जा रहे, इन धंधो पर दूसरे समुदायों का कब्ज़ा होता जा रहा हैं इस को रोकने के लिए अत: नमो नमो मोर्चा के बैनर तले साहू, कुम्हार, सेन, प्रजापति, पाल, नामदेव, रेकवार सहित सभी जातियों के पैतृक धंधे जैसे तेल मिलें स्पेलर बंद हैं उन्हें पुन: स्थापित कर शासन से सब्सिटी दिलवाकर सभी समाजो के बेरोजगारों को रोजगार मुहीया करवाना चाहिए.महामंत्री जे पी साहू ने संघठन को विस्तार करने की बात कहीं. कार्यक्रम मेँ ग्वालियर से अशोक साहू, डबरा से रमेश साहू, संभू नामदेव बैतूल से कृष्णा राव, आशीष दुबे, एड भरत भूषण द्विवेदी अवनीश साहू सहित सभी पदाधिकारी ओ की उपस्थिति रही।

डॉ. अनुपम चौकसे बने सेंटर फॉर एजुकेशन ग्रोथ एंड रिसर्च के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष

नई दिल्ली। देश में शिक्षा के क्षेत्र में एक अग्रणी थिंक टैंक सेंटर फॉर एजुकेशन ग्रोथ एंड रिसर्च (सीईजीआर) ने 27 दिसंबर, 2024 को ऑनलाइन मोड में अपनी मैनेजिंग कमेटी मीटिंग आयोजित की. बैठक की अध्यक्षता प्रो. के. के. अग्रवाल, मेंटर, सीईजीआर और अध्यक्ष, साउथ एशियन यूनिवर्सिटी ने की। बैठक के दौरान सभी प्रबंध समिति के सदस्यों ने सीईजीआर को नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए सीईजीआर के नेशनल प्रेजिडेंट पद्मश्री प्रोफेसर जी. डी. यादव के प्रयासों की सराहना की गई। बैठक के दौरान डॉ. अनुपम चौकसे चांसलर, जेएनसीटी प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी को साल 2025 के लिए सीईजीआर का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। पद्मश्री प्रोफेसर जी. डी. यादव ने डॉ. अनुपम चौकसे के नाम का प्रस्ताव रखा और प्रबंध समिति के अन्य सभी सदस्यों ने इस पर अपनी सहमति दी।

गुरुनानक मण्डल ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी

भोपाल। गुरुनानक मण्डल द्वारा देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह को एक कार्यक्रम में देश के प्रति उनकी सेवाओं को याद करते हुए उपस्थित जनों के साथ श्रद्धांजलि दी। वरिष्ठ पदाधिकारी भगवान दास ढालिया ने कहा कि मनमोहन सिंह देश के ऐसे प्रधानमंत्री रहें जिनकी नीतियों से देश में ही नहीं विदेशों में भी तत्कालीन अमेरिका के राष्टपति बराक ओबामा ने भी अर्थशास्त्र में मनमोहन सिंह का लोहा माना और प्रशंसा की। इस दौरान राजा शर्मा, दीपचंद तिवारी, विवेक तिवारी,संदीप कल्याणे,भूरा परोचे, जितेन्द्र ठकुरिया,चंदू यादव, विशाल बिछले आदि उपस्थित थे।

ग्लोबल स्कूल ऑफ़ एक्सीलेंस का वार्षिकोत्सव संपन्न

भोपाल। बड़े हर्ष का विषय है कि इस वर्ष ग्लोबल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस हसनाबाद रोड, सीहोर में बड़े ही हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ प्रथम वार्षिक उत्सव समारोह मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एसपी सीहोर श्री दीपक शुक्ला जी एवं ओलिंपिक पैरा एथलीट श्री कपिल परमार जी पधारे। इस वार्षिक उत्सव समारोह में सर्वप्रथम गणेश वंदना हुई और उसके बाद बच्चों ने विभिन्न प्रकार के बहुत सारे रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस रंगारंग कार्यक्रम में पर्यावरण पर एक्ट ,वूमेंस एक्ट,आर्मी एक्ट, सोशल मीडिया पर नाटक, यूनिटी एंड डाइवर्सिटी एक्ट,चंद्रयान, एजुकेशन एक्ट एवं प्रभु श्री राम पर आधारित ग्रैंड फिनाले का बहुत ही खूबसूरत मंचन हुआ । साथ ही दुर्गा स्कॉलरशिप का विमोचन किया गया, जिसके तहत स्कूल 15 प्रतिभाशाली बच्चियों को आगामी सत्र से मुफ्त में शिक्षा प्रदान करेगा। कार्यक्रम के अंत में ग्लोबल स्कूल आफ एक्सीलेंस के संचालक रोमित पाण्डेय एवं स्नेह निगम ने अतिथियों और अभिभावकों का उनकी उपस्थिति और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के तहत 7 वार्डों में शिविरों का आयोजन आज

भोपाल। मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के तहत नगर निगम द्वारा शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ वंचित नागरिकों तक पहुंचाने तथा नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु शहर के 07 वार्डों में षिविरों का आयोजन सोमवार, 30 दिसम्बर 2024 को किया जाएगा। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के तहत नगर निगम द्वारा सोमवार, 30 दिसम्बर 2024 को जोन क्र. 03 के वार्ड क्र. 12, जोन क्र. 05 के वार्ड क्र. 22, जोन क्र. 08 के वार्ड क्र. 27, जोन क्र. 09 के वार्ड क्र. 36, जोन क्र. 11 के वार्ड क्र. 71, जोन क्र. 12 के वार्ड क्र. 59 तथा जोन क्र. 13 के वार्ड क्र. 55 में शिविर आयोजित किये जाएंगे। शिविरों में निगम से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं व सेवाओं का लाभ प्रदान करने हेतु आवेदन पत्र प्राप्त कर उन्हें निराकृत करने सहित अन्य आवश्यक कार्यवाहियां की जाएगी।

आवारा पशुओं को कांजी हाउस भेजा

भोपाल। नगर निगम द्वारा सड़कों एवं सार्वजनिक स्थलों पर विचरण करने वाले आवारा पषुओं को पकड़कर कांजी हाउसों भेजने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम अमले द्वारा स्वतंत्र विचरण कर रहे 10 पशुओं को कांजी हाउस भेजने की कार्यवाही की। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन के निर्देष पर निगम की गौवर्धन परियोजना शाखा के अमले ने रविवार को सीएम हेल्पलाईन सहित अन्य माध्यमों से प्राप्त षिकायतों व नियमित कार्यवाही के तहत कटारा हिल्स, करोंद आदि क्षेत्रों में स्वतंत्र विचरण करने वाले 10 पषुओं को पकड़कर कांजी हाउस भेजने की कार्यवाही की।

राष्ट्रीय सरपंच संघ द्वारा मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना दिया जा रहा है। आज अर्धनग्न होकर धरना दे रहे हैं प्रतिनिधि।

कार्रवाई, 1 डम्पर रेत और गिट्टी सहित अन्य सामग्री की जप्त

भोपाल। नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों, कॉरीडोर व सार्वजनिक स्थलों आदि पर किए गए अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने शहर के अनेक क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए बड़ी संख्या में अतिक्रमणों को हटाया और 01 डम्पर रेत, गिट्टी, ठेले, गुमठी, पान पार्लर सहित बड़ी संख्या में अन्य सामान जप्त करने की कार्यवाही की। निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन के निर्देशों के परिपालन में नगर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्तों के दलों ने संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए जिंसी चौराहा, जहांगीराबाद, जेल रोड, अरेरा हिल्स, एम.पी.नगर जोन 01, शाहपुरा लेक, चौकी इमामबाड़ा, रेल्वे स्टेशन प्लेटफार्म क्रमांक 06 की ओर, शाहजहांनाबाद, पुतलीघर बस स्टैण्ड, करोद, व्यंजन होटल, संजीवनी नगर, मालवीय नगर, पत्रकार भवन, कृष्णा आर्केड, बागमुगालिया, टीला जमालपुरा, कोलार रोड, डी मार्ट, गेहूंखेड़ा, नीलम पार्क, लेडी हास्पिटल, यादगार-ए-शाहजहांनी पार्क, लिंक रोड नं.01, भदभदा चौराहा, होशंगाबाद रोड, वृंदावन गार्डन, शनि मंदिर आदि क्षेत्रों से बड़ी संख्या में अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही की। निगम अमले ने अरेरा हिल्स जिला न्यायालय के आसपास से अवैध रूप से बनें छप्पर व अन्य अतिक्रमणों को जेसीबी व श्रमिकों के माध्यम से हटाने की कार्यवाही की साथ ही उपरोक्त क्षेत्रों से ठेले, गुमठी, पान पार्लर, ठेबिल, कुर्सी आदि सहित बड़ी संख्या में अन्य प्रकार के अतिक्रमणों हटाने की कार्यवाही करते हुए 01 डम्पर रेत, गिट्टी, 09 ठेले, 01 पान पार्लर, 01 टेबिल, 01 चेन, 01 स्टूल आदि जप्त करने की कार्यवाही भी की।

नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल में आशीर्वाद समारोह का आयोजन

महाविद्यालय का सही चुनाव निर्धारित करता है, छात्राओं का स्वर्णिम भविष्य: सिद्ध भाऊ

संत हिरदाराम नगर। नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल के सभागार में सत्र 2024-25 की कक्षा बारहवीं की छात्राओं के लिए आशीर्वाद समारोह का आयोजन किया गया। बारहवीं कक्षा की छात्राओं के व्यक्तित्व की विशेषताओं तथा व्यवहार को देखते हुए विद्यालय की परंपरानुसार उन्हें विभिन्न टाइटल एवं कक्षा ग्यारहवीं की छात्राओं द्वारा बनाए गए शुभकामना कार्ड दिए गए। कार्यक्रम में शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसायटी के अध्यक्ष सिद्ध भाऊ, सचिव घनश्याम बूलचंदानी, शिक्षाविद् विष्णु गेहानी के अलावा प्रिया जैन, सुमन विश्वकर्मा, अमृता मोटवानी, रेखा केवलानी एवं अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं के अतिरिक्त विशेष अतिथि के रूप में पधारीं कक्षा बारहवीं की छात्राएँ उपस्थित थी। कक्षा बारहवीं की छात्राओं को संबोधित करते हुए सिद्ध भाऊ ने अपने आशीर्वचनों में कहा कि अपने स्वभाव में सदैव विनम्रता बनाएं रखें। विद्यालय में अर्जित किए गए ज्ञान व शक्ति का प्रयोग विद्यार्थी जीवन भर करते हैं। विभिन्न सत्रों के माध्यम से सिखाई गई सभी बातों का आप अनुसरण करें। अपने माता-पिता तथा गुरुजनों पर पूर्ण निष्ठा एवं श्रद्धा रखकर सदा उनके लिए हृदय में सम्मान व कृतज्ञता का भाव रखें, ताकि आप जीवन की हर कठिन परिस्थिति का सामना कर सकें। हमेशा अच्छा पढ़ें, देखें और सुनें जिससे आपके मन में सकारात्मक विचार उत्पन्न हों। अच्छी तरह से पढ़ाई करने के लिए तन-मन दोनों को स्वस्थ रखें।

साढ़े छह लाख मीट्रिक टन से अधिक सोयाबीन खरीदी का अनुमान

दस जिलों में 75 प्रतिशत से अधिक किसानों को भुगतान का कार्य हुआ पूरा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

देश के कुल सोयाबीन उत्पादन का लगभग आधा उत्पादन मध्यप्रदेश में होता है। मध्यप्रदेश सम्पूर्ण देश में सोयाबीन उत्पादन में प्रथम स्थान पर है। किसानों के परिश्रम और किसानों के हित में शासन द्वारा की गई बेहतर व्यवस्थाओं से मध्यप्रदेश इस उपलब्धि को प्राप्त कर सका है। कृषि अर्थव्यवस्था को व्यापक पैदावार से महत्वपूर्ण योगदान मिलता है। खरीफ की फसलों में सर्वाधिक बोई जाने वाली फसल सोयाबीन ही है। प्रदेश में सोयाबीन का रकबा और उत्पादन बढ़ रहा है। गत वर्ष की तुलना में प्रदेश के सोयाबीन के रकबे में लगभग 2 प्रतिशत वृद्धि हुई है। वर्तमान में प्रदेश का सोयाबीन का रकबा 66 लाख हैक्टयर से अधिक है। प्रदेश में 31 दिसम्बर तक लगभग 6.5 से 7 लाख मीट्रिक टन तक सोयाबीन का उपार्जन पूर्ण हो जाने का अनुमान है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश ने महाराष्ट्र और राजस्थान को पीछे छोड़कर सोयाबीन के सबसे बड़े उत्पादक राज्य बनने में सफलता प्राप्त की है। मध्यप्रदेश सरकार ने किसानों को सोयाबीन के लिए 4 हजार 892 रुपए की राशि प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य के रूप में देने की व्यवस्था की है। प्रदेश में सोयाबीन उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि को देखते हुए उपार्जन की आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं।

किसानों को बिना कठिनाई हो भुगतानः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर किसानों से उपार्जित सोयाबीन के लिए राशि का भुगतान बिना कठिनाई के किया जा रहा है। सोयाबीन के भण्डारण और उपार्जित सोयाबीन की सुरक्षा के प्रबंध भी किए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश हैं कि किसानों को उपार्जन की आधुनिक व्यवस्थाओं का लाभ दिलवाया जाए। प्रदेश में पहली बार सोयाबीन का समर्थन मूल्य पर उपार्जन किया जा रहा है। ई-उपार्जन पोर्टल का उपयोग भी किया जा रहा है। किसानों को ऑन लाइन राशि के भुगतान की व्यवस्था की गई है।

भुगतान के मामले में ये हैं टॉप 10 जिले: प्रदेश में लगभग दो लाख किसानों को 1957.1 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान उपार्जन के रूप में अब तक किया जा चुका है। प्रदेश में भुगतान का प्रतिशत 70.41 है। राशि के भुगतान में नीमच जिला अग्रणी है, जहां शत-प्रतिशत किसानों को राशि दी जा चुकी है। नीमच सहित विदिशा,राजगढ़, नर्मदापुरम, आगर मालवा, शहडोल, अनूपपुर, जबलपुर, उमरिया और खरगौन ऐसे दस शीर्ष जिलों में शामिल हैं, जहां 75 प्रतिशत से अधिक किसानों को राशि का भुगतान किया जा चुका है। सोयाबीन के परिवहन का कार्य भी प्रदेश में 95 प्रतिशत हो चुका है। प्रदेश में मालवा अंचल में सर्वाधिक सोयाबीन उत्पादन होता है। किसानों के पंजीयन से लेकर, आवश्यक बारदाने की व्यवस्था, परिवहन,भण्डारण और राशि के भुगतान के कार्यों की राजधानी से लेकर जिलों तक नियमित समीक्षा भी की जा रही है।

किसानों को मिलेगा बोनस, मुख्यमंत्री ने की घोषणा, जल्द होगा फैसला

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घोषणा की है कि सरकार छोटे किसानों को प्रति हेक्टेयर बोनस राशि देने पर जल्द ही फैसला लेगी। यह सहायता उन किसानों के लिए होगी जिनकी फसलों की सरकारी खरीद नहीं हो पाती और जो अपनी फसल अपने स्तर पर बेच देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि खास रूप से वे किसान जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं या जिन्हें फसल का सही दाम नहीं मिल पाता, उन्हें यह राशि का फायदा मिलेगा। ओला, पाला और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले फसल नुकसान के मामलों में भी सरकार ने जिला स्तर पर जरूरी निर्देश जारी किए हैं, ताकि किसानों को राहत मिल सके।

संकल्प पत्र में किया था वादा

सीएम ने बताया कि बीजेपी के संकल्प पत्र में किसानों की आय बढ़ाने के लिए बोनस देने का वादा किया गया था। अब सरकार इस दिशा में काम कर रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि छोटे किसानों को फसल के सही दाम मिल सके, इसके लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

धान खरीदी की तारीख में बदलाव

सीएम ने यह भी कहा कि किसानों को धान बेचने के लिए अभी न लाने की सलाह दी गई है। सरकार इसे आने वाली तारीख में एडजस्ट करने की योजना बना रही है। यह फैसला किसानों को परेशानी से बचाने के लिए लिया गया है।

फसलों के नुकसान को लेकर जताई चिंता

मुख्यमंत्री ने प्राकृतिक आपदाओं जैसे ओला, पाला, ठंड और अन्य मौसम संबंधित घटनाओं से फसलों के नुकसान को लेकर भी गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि किसान यदि संकट में हैं तो कलेक्टर के माध्यम से उन्हें राहत प्रदान की जाएगी। साथ ही उन्होंने बोरवेल खुले न रखने की सलह दी है।

भीमा नायक प्रदेश के गौरवशाली इतिहास का अभिन्न अंगः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानी भीमा नायक के 148वें बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनजातीय गौरव और स्वतंत्रता सेनानी, भीमा नायक के बलिदान दिवस पर सादर श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज के अधिकारों और अस्मिता के रक्षार्थ उनका संघर्ष हमें देश भक्ति की प्रेरणा प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के गौरव भीमा नायक के 148वें बलिदान दिवस पर, बड़वानी जिले के ग्राम धावा बावड़ी में हुई श्रद्धांजलि सभा कार्यक्रम के लिए जारी संदेश में कहा कि भीमा नायक प्रदेश के गौरवशाली इतिहास का अभिन्न अंग हैं। आजादी की लड़ाई में भीमा नायक ने जनजातियों को अंग्रेजों के विरुद्ध संगठित किया। सुरसी बाई भील, भीमा नायक की माता जी थी, उन्होंने ही भीमा नायक और जनजातीय समाज को अंग्रेजों के विरुद्ध एकजुट करने की प्रेरणा दी। शहीद भीमा नायक का कार्य क्षेत्र बड़वानी रियासत से महाराष्ट्र के खानदेश तक फैला था। तात्या टोपे के निमाड़ आगमन पर भीमा नायक ने उनसे मुलाकात की थी। अंबापानी युद्ध में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। भीमा नायक ने भीलों के स्वतंत्रता प्रिय स्वाभिमान को बनाए रखा, उन्होंने अंतिम क्षणों तक कोई समझौता या समर्पण नहीं किया। सलोदा नामक स्थान पर अंग्रेजों से युद्ध के दौरान धोखे से उन्हें बंदी बनाया गया। मंडलेश्वर किले में बंदी रखने के बाद उन्हें कालापानी कैद में डाल दिया गया। लम्बी प्रताड़ना सहने के बाद वे जेल में ही वीरगति को प्राप्त हुए।

जनजातीय वर्ग के समग्र विकास और कल्याण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय वर्ग के समग्र विकास और कल्याण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। शासन द्वारा जनजातीय विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, आवास सहायता, विदेश में अध्ययन के लिए सहायता, परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। जनजातीय समुदाय के लिए आवास, सड़कों के विस्तार, समग्र शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता, सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी क्रम में हाल ही में जनजातीय क्षेत्रों में विभिन्न विभागों की चिन्हित योजनाओं में शत-प्रतिशत सैचुरेशन के लिए कैबिनेट द्वारा फ्धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियानफ्र आरंभ करने को सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई है।

शहीद भीमा नायक के नाम पर बड़वानी का शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर जनजातीय समुदायों के गौरवशाली व्यक्तियों के संग्रहालयों का विकास किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा बड़वानी शासकीय कॉलेज का नाम शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रखा गया है। बड़वानी के पास धावा बावड़ी गांव में भीमा नायक प्रेरणा केंद्र भी स्थापित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वीर योद्धा भीमा नायक ने माँ भारती के सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनके बलिदान का संपूर्ण राष्ट्र अनंतकाल तक कृतज्ञ एवं ऋणी रहेगा।

दुष्यंत कुमार पर आधारित डॉक्यूमेंट्री एक मशाल हुई, का प्रदर्शन

भोपाल। सुप्रसिद्ध शायर दुष्यंत कुमार पर आधारित डॉक्यूमेंटरी एक मशाल हुई का प्रदर्शन दोपहर 3 बजे 6 नंबर स्थित दुष्यंत कुमार पाण्डुलिपि संग्रहालय में आयोजित किया गया। यह प्रदर्शन दुष्यंत कुमार अलंकरण समारोह के अंतर्गत किया गया। इसमें दुष्यंत के पुत्र व साहित्यकार आलोक एवं ममता त्यागी आदि के दुष्यंत कुमार पर केंद्रित संस्मरणों और रोचक बातचीत को सम्मिलित किया गया है। लगभग 40 मिनट अवधि की इस डॉक्यूमेंट्री की परिकल्पना और निर्देशन प्रशस्त ने किया है, जबकि इसमें सूत्रधार की भूमिका में शिवाजी राय तथा इसके कलापक्ष पर ईशान सक्सेना, अमीन और अंकित बागड़े आदि कलाकारों ने कार्य किया है। डॉक्यूमेंट्री के प्रदर्शन के मौके पर शहर के कवि, साहित्यकार व अन्य महानीयजन उपस्थित रहे।

बुन्देली समारोह-25 तीर्थ ओरछा में होगा

ओरछा। उत्तर मध्य देशीय बुन्देलखण्ड के सबसे बड़े क्षेत्र की प्राचीन भाषा बुन्देली का राष्ट्रीय साहित्य सम्मेलन, 7 एवं 8 जनवरी 25 को, बुन्देलों की प्राचीन राजधानी ओरछा के होटल 'बुन्देलखण्ड रिवर साइड' में ,अखिल भारतीय बुन्देलखण्ड साहित्य एवं संस्कृति परिषद भोपाल के तत्वावधान में नववर्ष 2025 के स्वागतार्थ आयोजित किया जा रहा है। बुन्देली के इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय समारोह का संयोजन ओरछेश मधुकरशाह जू देव और अध्यक्षता प्रसिद्ध पद्म श्री साहित्यकार डॉ. कैलाश मड़बैया करेंगे। ओरछा के प्रभारी श्री शिवकुमार तिवारी ने बताया कि सात और आठ जनवरी 25 को इस दो दिवसीय समारोह में अमेरिका से डॉ.नेमि सहित देश भर के बुन्देली साहित्यकार भागीदारी करने आ रहे हैं। रजिस्ट्रेशन के लिये बुन्देली भाषा में निबंध,निर्धारित विषय-'बुन्देली.भाषा,भजन और भूषा' पर दिसम्बर के अन्त तक, बुन्देलखण्ड.परिषद ,75 चित्रगुप्त नगर, कोटरा, भोपाल 462003 म.प्र. के पते पर पहुँचना आवश्यक है। दो दिनों के आठ सत्रों में बुन्देली के मानकीकरण सहित विविध पक्षों पर बुन्देली में ही साहित्यकारों द्वारा आलेख प्रस्तुत किये जायेंगे। 7 जनवरी को ही बुन्देली कलेंण्डर 2025 एवं कृति लोकार्पण, के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम और. रात्रि में आमंत्रित कवियों द्वारा बुन्देली का राष्ट्रीय कविसम्मेलन.होगा।

स्कूल शिक्षा विभाग में पिछले 3 वर्ष में 35 हजार शिक्षकों की हुई भर्ती

20 हजार शिक्षकों को दिया गया उच्च पद प्रभार

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

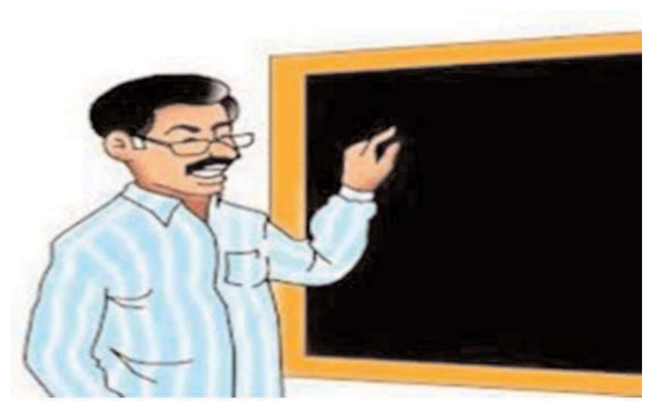

स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेश में सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये पिछले 3 वर्षों में करीब 35 हजार रिक्त पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति की है। यह कार्यवाही नई शिक्षा नीति-2020 का बेहतर क्रियान्वयन करने के उद्देश्य से की गयी है।

नियुक्त शिक्षकों में उच्च माध्यमिक शिक्षक 15 हजार, माध्यमिक शिक्षक 7726 और प्राथमिक शिक्षक 12 हजार 539 शामिल हैं। इस प्रकार 35 हजार 265 शिक्षकों की नियुक्ति की गयी है। सरकारी स्कूलों में आवश्यकता अनुसार शिक्षकों की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के लिये 20 हजार शिक्षकों को उच्च पद प्रभार और अतिशेष प्रक्रिया के अंतर्गत युक्ति-युक्तकरण में 17 हजार शिक्षकों को पारदर्शी प्रक्रिया को अपनाते हुए अन्यत्र स्थान पर पदस्थ किया गया है। नई शिक्षा नीति-2020 में विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ व्यावसायिक शिक्षा दिलाये जाने की भी अनुशंसा की गयी है। इस बात को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में सरकारी स्तर पर 2383 स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा के पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं। इनमें 4 लाख विद्यार्थी दर्ज हैं। इन्हें कौशल उन्नयन के उद्देश्य से 14 प्रकार के ट्रेड में प्रशिक्षण दिलाया जा रहा है। प्रदेश की 798 हायर सेकेण्डरी स्कूलों में कृषि संकाय और 465 हायर सेकेण्डरी स्कूलों में कृषि ट्रेड संचालित हैं। स्टार्स प्रोजेक्ट के अंतर्गत 100 स्कूलों में नियमित छात्रों के साथ-साथ ड्रॉप-आउट विद्यार्थियों की भी व्यावसायिक शिक्षा प्रारंभ की गयी है।

कक्षा-9 में हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत या उर्दू में से किसी एक भाषा का चयन एवं एक भाषा के स्थान पर तृतीय भाषा के स्थान पर विकल्प तथा कक्षा-11 में किसी भाषा के विकल्प के रूप में व्यावसायिक शिक्षा चयन का प्रावधान भी रखा गया है। विभाग द्वारा प्रयास किये जा रहे हैं कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को आज की व्यावसायिक और रोजगार की आवश्यकता को देखते हुए किसी न किसी ट्रेड में प्रशिक्षण दिलाया जाये।

प्रदेश में संचालित प्रत्येक सीएम राइज स्कूल में 2 वोकेशनल ट्रेड्स के लिये लैब निर्मित की जा रही हैं। इसके साथ ही प्रत्येक जिले के सीएम राइज स्कूलों में कम से कम एक रोबोटिक्स लैब की स्थापना की जा रही है। वर्तमान में संचालित आईटी कोर्स के अलावा पं. सुंदरलाल शर्मा इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन के सहयोग से एआई कोडिंग जैसे नवीन पाठ्यक्रम तैयार किये जा रहे हैं। ट्यूनिंग ऑफ स्कूल के अंतर्गत 520 स्कूलों की ट्यूनिंग की गयी है। इस व्यवस्था से यह स्कूल आपस में बेस्ट प्रेक्टिस का आदान-प्रदान कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने बोरवेल में गिरने से हुई बालक की मृत्यु पर दुःख व्यक्त किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुना जिले में ग्राम पीपल्या में निजी जमीन पर बोरवेल में गिरने से बालक की मृत्यु पर दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिला प्रशासन सहित एसडीईआरएफ बचाव दल के लगातार और अथक प्रयासों के बावजूद बालक को सुरक्षित बाहर नहीं निकाला जा सका। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार इस कठिन घड़ी में शोकाकुल परिवार के साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ईश्वर से दिवंगत बालक की आत्मा की शांति और परिजन को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान में पात्र व्यक्तियों का चिन्हांकन

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिये सरकार प्रतिबद्ध है। जनता के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए जरूरतमंदों तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुँचाने के लिए प्रदेश में गांव और वार्ड स्तर पर मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान 26 जनवरी 2025 तक जारी रहेगा। अभियान अंतर्गत जहाँ एक ओर योजनाओं से वंचित नागरिकों को चिन्हित कर उन्हें योजनाओं से जोड़ा जा रहा है, वहीं शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन की समस्याओं का शिविर लगाकर निराकरण किया जा रहा है। अभियान में अब तक 7 हजार से अधिक शिविर लगाए जा चुके हैं, जिनमें 3 लाख से अधिक आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। आम नागरिकों तक सीधे पहुंचकर योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से सरकारी अमला जरूरतमंदों का सर्वेक्षण कर उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पिछले एक वर्ष में सुशासन के प्रयासों से आमजन को शासन की योजनाओं और सेवाओं को सहज रूप से उपलब्ध कराने के लिये निरंतर कार्य किया जा रहा है। राजस्व संबंधी प्रकरणों के निराकरण के लिए राजस्व महाअभियान के तीन चरण चलाये गये, जिसमें अभियान का तीसरा चरण प्रदेश में अभी चल रहा है। इसमें लाखों की संख्या में राजस्व संबंधी लंबित आवेदनों का निराकरण कर आमजन को राहत दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गरीब परिवारों को गरीबी के कुचक्र से बाहर लाने के लिये अनेक योजनाएँ संचालित कर हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाया जा रहा है। इसके लिए, जरूरी है कि गरीब परिवारों को नागरिक सेवाओं की पहुंच के दायरे में लाया जाकर उनकी आर्थिक क्षमता बढ़ाई जाये। सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास और सबका प्रयास वंचितों के जीवन में सुधार लाने की ठोस पहल की गई है, जिससे जरूरतमंदों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनके जीवन स्तर में सुधार लाया जा सके।

सौरभ शर्मा ने दुबई में बैठकर छापे पर रखी नजर-भोपाल में जिस फॉर्म हाउस पर सोना-कैश भरी कार मिली, उससे भी पूर्व कॉन्स्टेबल का कनेक्शन

भोपाल। परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा केस की जांच चार-चार एजेंसियां कर रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मनी ट्रेल और प्रॉपर्टी के दस्तावेज, तो इनकम टैक्स सौरभ के दोस्त चेतन की गाड़ी से मिले 54 किलो सोना और 11 करोड़ रुपए की जांच कर रही है।लोकायुक्त आय से ज्यादा संपत्ति की जांच, तो डीआरआई इस बात की जांच कर रही है कि जो सोना मिला है वो लीगल तरीके से लिया गया है या नहीं। अब काली कमाई की कॉलोनी बनाने में खपाए जाने का कनेक्शन भी जांच एजेंसियों को मिला है। एजेंसियों को सौरभ शर्मा की ही तलाश है, क्योंकि सारे लिंक उसी से जुड़े हैं।

सौरभ शर्मा पत्नी के साथ दुबई में है। भोपाल जिला कोर्ट से उसकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज हो चुकी है। 19 दिसंबर को इनकम टैक्स ने 54 किलो सोना और 11 करोड़ रुपए नकद वाली गाड़ी जिस फार्म हाउस से जब्त की है, उसका भी सीधा कनेक्शन सौरभ से जुड़ रहा है। दरअसल, मेंडोरी में ये फार्म हाउस सौरभ की मौसी के दामाद विनय आसवानी का है। विनय ग्वालियर का ही रहने वाला है। सौरभ की मां उमा 3 बहनें हैं। उमा, सुषमा और रमा। तीनों बहनों का परिवार ग्वालियर में रहता है। विनय सौरभ की मौसी सुषमा का दामाद है। सूत्रों का कहना है कि विनय को ये फार्म हाउस खरीदने में सौरभ ने ही मदद की है। भास्कर को फार्म हाउस के आसपास के लोगों ने बताया था कि कुछ समय पहले ही ये खरीदा गया है।

कार का सौरभ से कनेक्शनः इनकम टैक्स ने जिस कार से 54 किलो सोना और 11 करोड़ रुपए बरामद किए वो कार सौरभ के दोस्त चेतन गौर की है। जिस दिन लोकायुक्त ने छापा मारा था उसी दिन सौरभ के घर के सामने दोपहर 2 बजे ये कार गुजरी थी। अब कहा जा रहा है कि सौरभ ने ही दुबई में बैठकर इस कार के जरिए सोना और नकदी अपने जीजा के फार्म हाउस पर पहुंचाया था।

इस पूरे घटनाक्रम के बाद ये सवाल भी उठ रहे हैं कि जब लोकायुक्त की कार्रवाई चल रही थी तो ये कार कैसे निकल गई? लोकायुक्त पुलिस ने तर्क दिया कि कार के बारे में उन्हें कुछ नहीं मालूम। इनकम टैक्स ने जब चेतन से इस कार को लेकर पूछताछ की तो उसने बताया कि सौरभ ने उसके नाम पर कार ली है, लेकिन कार उसकी नहीं है।

रिश्तेदारों के साथ प्रॉपर्टी में साझेदारी का कनेक्शन

इनकम टैक्स के साथ जब इस मामले में ईडी की एंट्री हुई और जब सौरभ और चेतन के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया तो कई और राजदार बेनकाब हुए। सौरभ का साथ देने वालों में उसकी मां, पत्नी, साला, दोस्त चेतन गौर और शरद जायसवाल के साथ जीजा रोहित तिवारी का भी नाम सामने आया।

जांच एजेंसी को पता चला कि सौरभ ने भोपाल समेत कई शहरों में जीजा के साथ साझेदारी में कई प्रॉपर्टी खरीदी। भोपाल में जिस बंगले में सौरभ रह रहा था, वह जीजा के नाम से खरीदा था। 27 दिसंबर को जब ईडी ने नए सिरे से सौरभ के भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर के ठिकानों पर छापा मारा तो प्रॉपर्टी से जुड़े कई और सबूत मिले।

ईडी को सौरभ के मकान से हरे रंग की एक डायरी मिली है। ईडी के सूत्रों के मुताबिक 66 पन्ने की ये डायरी सौरभ की है, जिसमें उसके हाथ से लिखे हुए नोट्स हैं। हालांकि, सूत्रों ने ये नहीं बताया कि डायरी में क्या और किसके बारे में लिखा गया है।

. सौरभ के झूठे शपथ पत्र का कनेक्शनः सौरभ को कॉन्स्टेबल की नौकरी पिता डॉ. आर के शर्मा के निधन के बाद अनुकंपा पर मिली थी। इस नौकरी को हासिल करने के लिए उसने झूठा शपथ पत्र पेश किया था। उसने शपथ पत्र में बताया था कि उसका कोई रिश्तेदार सरकारी नौकरी में नहीं है, जबकि उसका बड़ा भाई सचिन छत्तीसगढ़ पीएससी सिलेक्ट होकर सरकारी नौकरी कर रहा था।

सौरभ के ग्वालियर में रहने वाले पड़ोसी बताते हैं कि सौरभ भी सिविल सर्विस की तैयारी कर चुका है। एक बार वह इंटरव्यू तक पहुंचा, लेकिन सिलेक्ट नहीं हो पाया। उसकी मां उमा शर्मा कांग्रेस की नेता रही हैं। पॉलिटिकल कॉरिडोर में खासी पहचान रखती थी। कांग्रेस के मंत्री उनके नजदीक थे। भोपाल के पावर कॉरिडोर में भी उमा का नाम पहचाना जाता था।

सौरभ फिटनेस ट्रेनर भी रहा और डांसर भी। 2012 में ग्वालियर की डांस कोरियोग्राफर दिव्या से उसकी शादी हो गई। सौरभ और दिव्या ने थंप स्टूडियो नाम से डांस एकेडमी शुरू की। इस एकेडमी ने ग्वालियर में बड़ी-बड़ी सेलिब्रिटी के कार्यक्रम आयोजित करवाए।

स म्पा द की य

विमान दुर्घटनाओं से बढ़ती चिंता

इस साल के जाते-जाते आखिरी दिनों में हुई दो भीषण विमान दुर्घटनाओं ने मन को आशंकित कर दिया है। इनके चलते जहां दुनिया भर में शोक की लहर है, वहीं इस वजह से हवाई यात्रा की सुरक्षा से जुड़े सवाल भी उठने लगे हैं। कजाखिस्तान में बुधवार को लैंडिंग करते हुए अजरबैजान के विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 38 लोगों की मौत हुई, और कल रविवार को दक्षिण कोरिया में हुए हादसे में 179 लोगों के मारे जाने की खबर आई।

दक्षिण कोरिया के मुआन में हुए हादसे में जिस तरह से लैंडिंग का प्रयास करते हुए विमान कुछ सेकंड के अंदर ही लपटों से घिरा नजर आया, वह किसी का भी दिल दहला सकता है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार लैंडिंग से कुछ ही पहले विमान के पिछले हिस्से से एक पक्षी टकराया था। कहा जा रहा है कि शायद इसी वजह से लैंडिंग गियर में खराबी आ गई। लेकिन कई जानकार इससे सहमत नहीं हैं। संभव है कि हादसे की जांच से कुछ और तथ्य सामने आने के बाद इस पहलू पर और रोशनी पड़े।

इस बीच अजरबैजान विमान हादसे को लेकर हो रहे अलग-अलग दावों के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन की माफी ने सस्पेंस को पूरी तरह खत्म किए बगैर संदेहों को और गहरा कर दिया है। पूतिन ने अपने माफीनामे में यह तो कहा कि जब वह विमान कजाकिस्तान में लैंड कर रहा था तब यूक्रेनी ड्रोन हमलों के मद्देनजर रूसी डिफेंस सिस्टम एक्टिव था, पर यह स्वीकार नहीं किया कि वह विमान इसी सिस्टम का टारगेट बना। विमान किसी तकनीकी गड़बड़ी का शिकार हुआ या गलती से चली किसी मिसाइल का, सच तो यही है कि इसमें सवार यात्रियों को जान गंवानी पड़ी। पुतिन की माफी से ऐसा लग रहा है कि कहीं न कहीं रूसी हमले के चलते विमान हादसा हुआ।

देखा जाए तो एविएशन इंडस्ट्री की ज्यादा चिंता स्वाभाविक ही साउथ कोरियाई विमान दुर्घटना को लेकर है क्योंकि उसे यात्रियों की बढ़ती आशंकाओं का सामना करना है। यहां एक बात गौरतलब है कि हवाई दुर्घटनाओं के मामले में साउथ कोरिया का रेकॉर्ड अच्छा माना जाता रहा है। यह पिछले एक दशक में हुई साउथ कोरियन एयरलाइन की पहली बड़ी दुर्घटना है। पिछली दुर्घटना 2013 में हुई थी जब एशियाना एयरलाइंस की एक फ्लाइट सैन फ्रांसिस्को में दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। उसमें तीन लोग मारे गए थे।

असल में एक तो कई देशों के बीच युद्ध चल रहा है या युद्ध जैसे हालात हैं। इसके चलते आसमान में कहीं भी मिसाइलों के हमले का डर है। जरा सी गलती सैकड़ों लोगों की जान ले सकती है। दूसरे, अभी कोरियाई विमान दुर्घटना की बात करें तो वीडियो में ऐसा लग रहा है, मानो पक्षी टकराने के कारण ही दुर्घटना हुई। यदि ऐसा है तो वाकई चिंताजनक है। आसमान में पक्षियों का उड़ना तो रोका नहीं जा सकता, लेकिन विमान का कंट्रोलिंग सिस्टम और मजबूत करना होगा।

हालांकि तथ्य यह है कि आज भी हवाई यात्राएं सबसे सेफ कही जा सकती हैं। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में हुए एक शोध के अनुसार विमानों के दुर्घटनाग्रस्त होने का अनुपात 12 लाख में एक आ रहा है। और अगर दुर्घटनाओं में मौत का अनुपात देखा जाए तो वह 1.1 करोड़ यात्रियों में एक है, जबकि कार दुर्घटनाओं में मौत का अनुपात 5000 में एक पाया गया है। फिर भी, ऐसी दुर्घटनाएं निश्चित रूप से लोगों के मन में डर बैठाती हैं। और कहीं न कहीं विमान सेवाओं की कंपनियों पर इससे दबाव भी बन रहा है।

कानून और न्याय: पुरुष भी महिला हिंसा से पीड़ित

विनय झैलावत

भारत में एक आम धारणा है कि पुरूषों को सख्त होना चाहिए और अपनी भावनाओं को छिपाना चाहिए। इससे पुरूषों के लिए अपनी पीड़ा व्यक्त करना कठिन हो जाता है। भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए जैसे कानून महिलाओं को क्रूरता से बचाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। लेकिन पुरुषों को घरेलू हिंसा के शिकार के रूप में मान्यता नहीं देते हैं। जहां भारत में महिलाओं को हिंसा से बचाने के लिए सख्त कानून हैं। वहीं दूसरी ओर पुरुषों को समान स्थितियों में बचाने के लिए कानून की कमी है। दुर्भाग्य से, बहुत से लोग यह नहीं मानते कि महिलाएं पुरूषों को नुकसान पहुंचा सकती है। लेकिन, व्यक्तिगत साक्षात्कार और अनुभव बताते हैं कि पुरूषों को भी घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ता है। हाल ही की एक घटना में मुन्नेकोल्लाल निवासी अतुल सुभाष ने अपने अपार्टमेंट के अंदर आत्महत्या कर ली। उनकी मृत्यु के बाद, उनके भाई विकास कुमार ने सोमवार को सुभाष की अलग पत्नी निकिता सिंघानिया, उनकी मनिषा, भाई अनुराग और चाचा सुशील के खिलाफ शिकायत दर्ज की, जिसके बाद मराठाहल्ली पुलिस ने उन पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया।

अपनी शिकायत में कुमार ने आरोप लगाया कि उसके ससुराल वालों की लगातार प्रताड़ना और मांगों ने सुभाष को किनारे कर दिया था। सुभाष उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे और उन्होंने 2019 में एक सॉफ्टवेयर पेशेवर निकिता से शादी की। बाद में वे अलग हो गए। सुभाष पर कई आरोपों के तहत नौ मामले चल रहे थे। इनमें हत्या, दहेज उत्पीड़न, अप्राकृतिक यौन संबंध आदि शामिल थे। कुछ मामलों में उनके माता-पिता को भी आरोपी के रूप में नामित किया गया था। पुलिस ने कहा कि सुभाष ने 24 पन्नों का एक नोट छोड़ा था, जिसमें उसने अपनी आपबीती सुनाई थी और अपनी गर्दन पर एक बोर्ड के साथ 81 मिनट का एक वीडियो भी पोस्ट किया था। इस पर 'जस्टिस इज ड्यू' लिखा अर्थात न्याय शेष है था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि उत्तर प्रदेश में उनके ससुराल वालों का पक्ष लेने वाले पारिवारिक न्यायालय के एक न्यायाधीश पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया था।

बेंगलुरू में मरने वाले उत्तर प्रदेश के 34 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर अतुल सुभाष द्वारा छोड़े गए सुसाइड नोट ने पारिवारिक अदालत प्रणाली के अंधेरे पक्ष पर प्रकाश डाला है। 20 पन्नों से अधिक के सुसाइड नोट और वीडियो में, जहां सुभाष ने अपनी पत्नी के साथ अपने इतिहास, अदालती मामले और उनके परिवार और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव का विवरण दिया है, ने व्यवस्था के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा कर दी है। सुभाष के पत्र में उनकी पत्नी, उनके परिवार और यहां तक कि अदालत प्रणाली पर भी उन्हें जीवन समाप्त करने के फैसले की ओर धकेलने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। हालांकि, आत्महत्या के लिए उकसाने से संबंधित प्रावधानों पर एक नजर डालने से यह सवाल उठता है कि क्या यह मामला सख्त कानूनी परिभाषा के दायरे में आएगा।

आत्महत्या के लिए उकसाने के मामलों में सर्वोच्च न्यायालय और विभिन्न उच्च न्यायालयों के विभिन्न निर्णयों में, विशेष रूप से ऐसे मामलों में जहां ससुराल वालों की क्रूरता के कारण महिलाएं आत्महत्या कर लेती हैं, यह नोट किया गया है कि ऐसे मामलों में उकसाने के घटकों पर विचार किया जाना चाहिए। जबकि मृत्यु पूर्व बयान या सुसाइड नोट को महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में देखा जाता है। अदालतों ने माना है कि आत्महत्या के लिए उकसाने के अपराध के लिए मृत्यु पूर्व बयान या सुसाइड नोट भी सजा के लिए पर्याप्त नहीं है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) आत्महत्या के लिए उकसाने को परिभाषित करने के लिए पिछले भारतीय दंड संहिता की तरह ही भाषा का उपयोग करती है।

भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 में कहा गया है कि यदि कोई व्यक्ति आत्महत्या से मर जाता है, तो जो कोई भी ऐसी आत्महत्या के लिए उकसाता है, उसे दस साल तक की कैद सजा दी जाएगी और जुर्माना भी लगाया जा सकता है। किसी आपराधिक कृत्य के लिए उकसाने का अपराध बीएनएस की धारा 45 के तहत उकसाने शब्द की एक विस्तृत परिभाषा भी देता है। सुभाष के सुसाइड नोट में उनकी पत्नी के कार्यों के कारण उन्हें महसूस हुई निराशा का विस्तृत विवरण दिया गया है। यहां तक कि दो उदाहरणों का भी हवाला दिया गया है जहां उनकी पत्नी और सास ने उन्हें आत्महत्या करके मरने के बारे में ताना मारा था। तब भी यह सवाल पूछा जा सकता है कि क्या इसे उसके खुद की जान लेने के फैसले का निकटतम या प्रत्यक्ष कारण माना जा सकता है।

सर्वोच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने अपने हालिया फैसले में इस बात पर जोर दिया कि केवल उत्पीड़न आत्महत्या के लिए उकसाने के लिए पर्याप्त नहीं है। प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष उकसावे को सिद्ध किया जाना चाहिए। अदालत ने एक महिला को आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोपी तीन लोगों को उकसाने के आरोप से बरी कर दिया। जबकि क्रूरता के आरोपों को बरकरार रखा। यह फैसला आत्महत्या के लिए उकसाने के मामलों में स्पष्ट इरादे की आवश्यकता को स्पष्ट करता है।

आत्महत्या के लिए उकसाने की धारा पुलिस अधिकारियों द्वारा दंडात्मक कानून के सबसे अधिक दुरूपयोग में से एक लगती है। क्योंकि, पुलिस मृतक और संदिग्ध के लिंग और स्थिति के आधार पर इस धारा को अलग-अलग तरीके से लागू करती है। हालांकि जब आरोपी एक महिला होती है तो वे नरमी दिखाते हैं, लेकिन पुरूषों पर मामला दर्ज करने और उन्हें गिरफ्तार करने में वे अनुचित जल्दबाजी करते हैं, खासकर जब मृतक एक महिला होती है।

एक अन्य मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने ऐसा माना है कि दहेज विरोधी कानून विवाहित महिलाओं को दहेज उत्पीड़ने से बचाने के लिए बनाया गया था। लेकिन सभी पारिवारिक विवाद के मामलों में आईपीसी की धारा 498-ए के इस प्रावधान का उपयोग करना कानून के खुले दुरूपयोग के अलावा और कुछ नहीं है। धारा 498-ए के तहत, पुलिस को बिना किसी वारंट के आरोपी को गिरफ्तार करने की शक्ति है। आमतौर पर ऐसे मामलों में जमानत नहीं दी जाती है।

ऐसे कई मामले सामने आए हैं जिनमें दहेज विरोधी कानून प्रावधानों के तहत परिवारों को अनुचित रूप से परेशान किया गया था। अदालतों ने दंपतियों के बीच समझौता कराने के लिए हर जिले में परिवार कल्याण समिति के गठन की सलाह दी थी। पर ऐसा हुआ नहीं। शादी से जुड़े लगभग हर मामले को दहेज उत्पीड़न का मामला बताकर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। यदि यह दुरूपयोग जारी रहा, तो विवाह की संस्था ही समाप्त हो सकती है।

नेहरू को छोटा करने की नहीं, उनके काम से होड़ करने की जरूरत

-भूपेन्द्र गुप्ता

देश में आज विकास को लेकर नए-नए नरेटिव गढ़ने के अलावा इतिहास के पन्नों को कलंकित करने का चलन चल पड़ा है ।संगठित रूप से आजादी के बाद की सरकारों के कामकाज और योगदान को नीचा दिखाने की आक्रामक कोशिशें हो रही हैं। नई पीढ़ी में शोध के अभाव को देखकर उसे बरगलाने की चेष्टा की जा रही है ।देश को उसके सही स्वरूप में पहचान कर देश के विकास की यात्रा की समझ और विकास की कल्पना को चोट पहुंचाई जा रही है ।जिससे वास्तविक इतिहास को जानने से ही रोका जा सके । देश के नेताओं को सुविधानुसार मिस कोट किया जा रहा है।

मध्य प्रदेश में केन -बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के दौरान ऐसी ही बातें रखी गई जिससे महसूस हो कि जवाहरलाल नेहरू के समय से ही विकास की योजनाओं की उपेक्षा की गई । यहां तक कहा गया कि देश में बड़े-बड़े बांध बनाने और जल संरक्षण को समझने का काम देश में अन्य लोगों ने किया है ।जल संसाधनों के संदर्भ में प्रधानमंत्री जी ने घुमाकर यह भी बताया कि जलशक्ति को मजबूत करने के दूसरे नेताओं के प्रयासों को जवाहरलाल नेहरू के नाम पर चिपका दिया गया ।क्या इस तरह का नेरेटिव बनाया जाना उचित है ।क्या यह सत्य है या महज नेहरू जी को नीचा दिखाने और संसद में बाबासाहब का उपहास करने से पैदा हुए संकट से निकलने के लिये भाजपा की रणनीति है।

इसे समझने के लिए बेहतर होगा कि हम देश में जल संरचनाओं के इतिहास को जानें और समझें। सभी जानते हैं कि डॉ बाबासाहेब अंबेडकर की मृत्यु 1956 में हो गई थी और वह नेहरू जी के मंत्रिमंडल में कानून मंत्री थे उनकी पूरी शक्ति संविधान की ड्राफ्टिंग, संविधान सभा के सभी सदस्यों के योगदान का संकलन कर संविधान को उसका स्वरूप देना था। न कि बांध बनवाना। तब भाजपा 2024 में बनने वाले दुहान बांध के बहाने युग पुरुषों को लड़वाने का नया काम क्यों शुरू कर रही है।

भारत में नदियों को बांधने का इतिहास बहुत पुराना है ।देश का सबसे पुराना बांध तमिलनाडु की कावेरी नदी पर बनाया गया था ।जिसे कल्लणै बांध कहते हैं ।इसे 150 ईश्वी से 100 ईश्वी के बीच में चोल राजा करिकल ने बनवाया था। इसका अर्थ है कि नदियों को बांधने और जल संरचनाओं को बचाने तथा संरक्षित करने के लिए भारत में बांध बनाने की तकनीकी और संकल्प शक्ति हजारों साल पहले ही आ चुकी थी ।

आजादी के पहले भी मैसूर के राजा कृष्णा वाडियार ने कृष्ण राजा सागर बांध का 1911 में निर्माण शुरू किया था जिसे 1932 में मैसूर की जनता को समर्पित किया गया। इसके बाद ही आजादी के बाद बने बांधों का सिलसिला शुरू होता है ।आजादी के प्रथम वर्ष में भारत का कुल बजट मात्र 184 करोड़ रुपए था और पूरे देश में भुखमरी की स्थिति थी ।1943 में ही बंगाल के दुर्भिक्ष में 30 लाख लोग भूख से अपनी जान गँवा चुके थे। भुखमरी के इन हालातों में देश को आजादी मिली थी ।

यह स्पष्ट था कि खाद्यान्नों का उत्पादन बढ़ाये बिना हम अपने लोगों का पेट नहीं भर सकते। उसके लिए सिंचाई चाहिए, नदियों पर बांध चाहिए किंतु हमारे पास धन भी नहीं था। ऐसे हालातों में भी 1947 में ही जवाहरलाल नेहरू ने उड़ीसा की महानदी पर हीराकुंड बांध की शुरुआत की, जिसे 1957 में देश को समर्पित किया गया ।इस बांध से 47 लाख एकड़ फीट जल संग्रहण और 347 मेगावाट बिजली का उत्पादन हुआ। इसके तत्काल बाद 1948 में पंडित जवाहरलाल नेहरू ने तमिलनाडु में भवानी सागर बांध का शिलान्यास किया जो 1955 में पूरा हुआ। यह एक अर्दन डेम था जिसके माध्यम से 16 मेगावाट बिजली भी पैदा की जानी थी। इसी तरह पंजाब में सतलज नदी पर 1948 में ही भाखड़ा नंगल बांध की नींव डाली गई ।यह उस समय तक का सबसे बड़ा बांध था जिसमें 75 लाख एकड़ फीट जल संग्रहण होना था और 1325 मेगावाट बिजली का उत्पादन होना था। जब 1963 में यह बांध देश को समर्पित किया गया तो इसके माध्यम से हरित क्रांति का आगाज हुआ। मैक्सिकन लाल गेहूं पर निर्भर भारत की जनता देशी खाद्यान्न की आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ी।

कर्नाटक की तुंगभद्र नदी पर 1949 में कंपोजिट स्पिल वे डेम का शिलान्यास जवाहरलाल नेहरू ने किया जो 1953 में पूर्ण हुआ ।इससे 127 मेगावाट बिजली का निर्माण होता था।

उत्तरप्रदेश में 1953 में रिहंद बांध की शुरुआत की गई जो 1962 में देश को समर्पित किया गया इससे 300 मेगावाट बिजली का निर्माण शुरू हुआ ।तेलंगाना में 1955 में कृष्णा नदी पर नागार्जुन सागर बांध की शुरुआत हुई जिसे 1967 में देश को समर्पित किया गया इस बांध से न केवल 93.72 लाख एकड़ फुट पानी सिंचाई के लिए मिला बल्कि 816 मेगावाट बिजली का भी उत्पादन हुआ ।

इसी तरह महाराष्ट्र की कोयना नदी पर 1956 में जवाहरलाल नेहरू ने कोयना बांध की शुरुआत की जिसे 1964 में देश को समर्पित किया गया। इस बांध से 24 लाख एकड़ फीट जल संग्रहण और 1960 मेगावाट बिजली का उत्पादन हुआ। आज के झारखंड में 1957 में मैथोन बांध की शुरुआत की गई यह बांध 60 हजार किलोवाट बिजली का उत्पादन भी करता है ।

मध्य प्रदेश की नर्मदा नदी पर 1956 में ही तवा बांध जो एक स्पिलवे बांध है, का निर्माण शुरू हुआ जो 1974 में देश को समर्पित किया गया ।आज देश में जिस सरदार सरोवर बांध की बार-बार चर्चा होती है उस सरदार सरोवर बांध की आधारशिला भी जवाहरलाल नेहरू ने 1961 में सरदार वल्लभ भाई पटेल के नाम पर रख दी थी जिसके माध्यम से आज मध्य प्रदेश महाराष्ट्र को बिजली और गुजरात को पानी मिल रहा है। तीनों प्रदेश इससे बनने वाली बिजली से रोशन हो रहे हैं।

प्रथम प्रधानमंत्री मंत्री जवाहरलाल नेहरू ने दो-दो युद्धों का सामना करने के बावजूद अपने 17 साल के कार्यकाल में उड़ीसा की महानदी,तमिलनाडु की भवानी,कर्नाटक की तुंगभद्रा, उत्तरप्रदेश की रिहन्द, पंजाब की सतलज, मध्यप्रदेश की नर्मदा, महाराष्ट्र की कोयना, झारखंड की बारकार, तेलंगाना की कृष्णा नदियों को बांध दिया था। वे एक मिशनरी की तरह जुनूनी की तरह इस काम में लगे क्या यह आसान काम था? नौ राज्यों की नौ नदियों को बांधकर 17 साल में देश को समर्पित करना भगीरथी कल्प था। नेहरू ने यह काम तब कर दिखाया जब न पोकलेन थी न जेसीबी थी न इतनी उन्नत तकनीकि थी नेहरू के पुरुषार्थ को छोटा करने का कोई भी प्रयत्न देश के पुरुषार्थ को छोटा करने का प्रयत्न है। आज नेहरू को छोटा करने की नहीं उनके काम से होड़ करने की जरूरत है।

एकता के अभाव में किसी भी समाज या राष्ट्र का उत्थान संदिग्ध

चेतनादित्य आलोक

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह जन्म, रिश्ते और रोजगार के अतिरिक्त भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक एवं अन्य कारणों से चाहे दुनिया के किसी भी कोने में, किसी भी देश का निवासी बनकर क्यों न रहता हो, उसका अपना एक समाज, अपनी एक अलग दुनिया होती है। इसी प्रकार, अलग-अलग जगहों पर रहते हुए मनुष्य की समस्याएं, दुविधाएं, आवश्यकताएं, आकांक्षाएं और उसके पास उपलब्ध सुविधाएं भले ही अलग-अलग प्रकार की हों, परंतु एक बात सभी मनुष्यों के जीवन पर लागू होती है और वह है मानव एकता तथा एकजुटता के साथ उसका आगे बढ़ना।

दरअसल, मानव जाति की एकता की जरूरत दुनिया को आरंभिक काल से ही रही है। हालांकि, मनुष्य जाति के लिए अपेक्षित एकता और एकजुटता कभी कायम नहीं हो पाई, जबकि यह सच है कि एकता और एकजुटता के अभाव में किसी भी समाज या राष्ट्र का उत्थान संदिग्ध होता है। जाहिर है कि मानव जाति की एकता और एकजुटता के साथ उसके आगे बढ़ने की इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए अपने-अपने स्तर पर दुनिया के तमाम देशों को गंभीर प्रयास करने ही होंगे। हालांकि, यह उतना भी आसान कार्य नहीं है कि सारे देश एक दूसरे के निकट आ जाएं और दुनिया में एकता एवं एकजुटता कायम करने के लिए अपनी-अपनी नीतियों में बदलाव कर लें, लेकिन समय की मांग यही है कि गुटबाजियों को छोड़ और खेमेबंदियों को तोड़ कर हर हाल में दुनिया के सभी देश एक दूसरे के निकट आएं और साथ-साथ चलने के लिए संकल्पबद्ध हों।

यह तभी संभव होगा, जब सभी छोटे-बड़े देश अपनी जिद्द, लिप्सा, अपने मोह, लालच और संकुचित सोच को परे रख कर विश्वहित एवं मानवहित में सोचेंगे। देखा जाए तो क्षुद्र विचारों और संकुचित सोच में सिमटकर दुनिया और मानवता ने अपना बहुत नाश कराया है। इसलिए अब जरूरी है कि एकता और एकजुटता को 21वीं सदी के लिए एक आधार और प्रोत्साहन के रूप में स्वीकार करते हुए आगे बढ़ा जाए। हालांकि यह सच है कि वैश्वीकरण ने दुनिया भर के लोगों को आगे बढ़ने और विकास करने के अनेक अवसर प्रदान किए हैं, लेकिन इस वैश्वीकरण ने दो दुनियाओं के निर्माण की पटकथा लिखी। इनमें एक दुनिया ऐसी बनी, जिसमें केवल गरीब लोग रहते हैं, जहां दुरूख, संकट, परेशानियां, समस्याएं, शोषण और उत्पीड़न का साम्राज्य खूब फलता-फूलता है।

वहीं, वैश्वीकरण ने इसके बिल्कुल पास ही में एक अलग दुनिया भी बनाई, जिसमें कदम-कदम पर अमीरी की दास्तानें लिखी होती है। जाहिर है कि वैश्वीकरण के कारण होने वाले विकास के लाभों और भारों का वितरण दुनिया भर के मानव समुदायों के बीच असमान रूप से हुआ। इसका दुष्परिणाम यह हुआ कि दुनिया भर में मनुष्यों की एक बड़ी संख्या विकास के मामले में अन्य लोगों से काफी पीछे रह गई। यह विडंबना नहीं तो और क्या है। बहरहाल, 21वीं सदी में मनुष्य की वास्तविक उन्नति और उत्थान को लेकर वैश्विक एकता और एकजुटता के लिए एक संयुक्त वैश्विक प्रयास करने की नितांत आवश्यकता है।

दुनिया में जहां कहीं भी जो लोग विकास की दौड़ में पीछे छूट गए हैं अथवा पीड़ित, शोषित, दुखी और परेशान हैं या कहा जाए कि व्यवस्था में जिन लोगों तक अब तक मदद सबसे कम या नहीं पहुंच पाई है, उन व्यक्तियों, समुदायों तक आज सहायता पहुंचाने की आवश्यकता है। वैसे, बेहतर तो यह होगा कि जिन्हें व्यवस्था से सबसे अधिक लाभ प्राप्त होता रहा है, वे ही उन तक सहयोग के अपने हाथ लेकर जाएं। जाहिर है कि यदि समर्थ लोग निर्धन और लाचार लोगों तक स्वयं अहयोग का हाथ लेकर जाएंगे तो इससे दोनों ही दुनियाओं के बीच आपसी प्रेम और सद्भाव तो बढ़ेगा ही, साथ ही, इससे साझी जिम्मेदारी की संस्कृति भी विकसित होगी और दुनिया में एकता और एकजुटता के कायम होने में आसानी भी होगी। देखा जाए तो एकता और एकजुटता के विराट महत्व को आत्मसात करते हुए हमारे पूर्वज ऋषि-मुनियों ने इसे बहुत महत्व दिया था। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में आरंभ से ही एकता और एकजुटता महान मानवीय गुण माने जाते रहे हैं। हालांकि, इसके लिए प्रमाण की जरूरत नहीं, फिर भी यदि दुनिया के इतिहास को उठाकर देखा जाए तो पता चलता है कि दुनिया में आज तक सभी महान कार्य मानव जाति की एकता एवं सहयोग से ही संभव हो पाए हैं। तात्पर्य यह कि महान एवं बड़े कार्यो को पूरा करने हेतु दुनिया में मानवीय एकता का होना परम आवश्यक है।

साथ ही, विभिन्न समस्याओं यथा- भुखमरी, निर्धनता, अशिक्षा, आतंकवाद, उग्रवाद, हिंसा, लूट, भ्रष्टाचार एवं अन्य तमाम समस्याओ का निराकरण भी एकल नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयासों से ही सफलतापूर्वक किया जा सकता है। इतना ही नहीं, विश्व भर में समावेशी विकास को अंजाम तक पहुंचाने, अनेकता में एकता के जीवन मूल्य को चरितार्थ करने, सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने एवं एकता के महत्व को प्राप्त करने हेतु भी अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता महत्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त अंतरराष्ट्रीय संबंधों के मामले में भी एकता को महत्वपूर्ण मूल्य के रूप में परिभाषित किया जा चुका है। जाहिर है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवीय एकजुटता के आयोजन और प्रदर्शन से विविधता में एकता को बढ़ावा और इसकी उपयोगिता को सम्मान होगा। वैसे, देखा जाए तो एकजुटता का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना भी है कि न्याय के लिए परस्पर एक दूसरे की देखभाल और चिंता की जाए। मनुष्य के लिए आपस में एकजुटता प्रदर्शित करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि परस्पर एक दूसरे का सम्मान किया जाए और एक दूसरे की जरूरतों और परिस्थितियों से संबंधित बेहतर समझ पैदा की जाए। गौरतलब है कि परस्पर एक दूसरे से जुड़ी हमारी यह विस्तृत दुनिया एकत्व के भाव के साथ एक-दूसरे को ऊपर उठाने एवं मनुष्य की व्यक्तिगत सफलता को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ पूरे मानव समाज की समृद्धि के लिए समग्र रूप से प्रतिबद्धता पर निर्भर करती है।

तात्पर्य यह कि जब हम एक-दूसरे के लिए सहयोग का हाथ बढ़ाते हैं अथवा दुरूख-दर्द और लाचारी में एक-दूसरे का हाथ थामते हैं, तो ऐसा करके केवल एक-दूसरे के प्रति सहयोग का भाव ही नहीं प्रकट कर रहे होते, बल्कि एकता और एकजुटता को कायम करने के संकल्प की सिद्धि भी कर रहे होते हैं। इतना ही नहीं, एक-दूसरे के लिए सहयोग का हाथ बढ़ाकर या आवश्यकता पड़ने पर एक-दूसरे का हाथ थामकर हम एकत्व की पवित्र और विराट भावना को सम्मानित भी कर रहे होते हैं तथा मनुष्य जाति के लिए अधिक बेहतर और निष्पक्ष भविष्य की दिशा में प्रगति भी कर रहे होते हैं।

आज के दिन नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने पोर्ट ब्लेयर में आजादी का झंडा फहराया था

आज का दिन भारतवासियों के लिए बहुत ही खास है क्योंकि इसी दिन नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने पोर्ट ब्लेयर में आजादी का झंडा फहराया था। वर्ल्ड वॉर टू डेटाबेस की आधिकारिक वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, 30 दिसंबर, 1943 को नेताजी ने पहली बार भारतीय जमीन पर सबसे पहले तिरंगा फहराया था। यह झंडा आजाद हिंद फौज का था। बता दें कि आजाद हिंद फौज की स्थापना 1942 में जापान में रासबिहारी बोस ने की थी। इस फौज में उन भारतीय सैनिकों को शामिल किया गया था जो जापान में बंदी बना लिये गये थे। बाद में इस सेना में बर्मा और मलाया में स्थित भारतीय स्वयंसेवक भी भर्ती किये गये थे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाइटः dainiksandhyaprakash.in

जिला कांग्रेस और महिला कांग्रेस ने दी स्व.मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि

दैनिक सांध्य प्रकाश बैतूल। लल्ली चौक कोठी बाजार में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को कांग्रेस जनों ने सामूहिक रूप से श्रधांजलि दी है। महिला कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पा पेंड्राम ने कहा कि देश पूर्व प्रधानमंत्री स्व. मनमोहन सिंह ने निष्पक्ष भाव से प्रधान मंत्री के पद पर रहकर देश में जनता के हित और हमेशा आने वाली पीढ़ी के भविष्य को ध्यान में रखकर योजनाओं को संचालित करते रहे है। उनकी सादगी भरा जीवन और उनका नेतृत्व और कार्य करने शैली का हमेशा प्रभाव शील रही है। हम देश वासियों के लिये उनकी कमी कोई पूरा नहीं कर सकता। उनकी नही रहने की खबर फैलते है। लोगो आंसू झलक गए है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमन्त वागद्रे ने कहा कि भारत वासियों के लिए भाग्य की बात थी हमें की मनमोहन सिंह जी जैसा कुशल नेतृत्व के रूप में हमें देश के प्रधानमंत्री के रूप में मिला था उन्होंने जो देश धरोहर रहेगी पिछड़ा वर्ग कांग्रेस नारायण राव धोटे ने कहा कि स्व. श्री सिंह हमेशा सकारात्मक विचार धारा के रहे है। उनकी मानसिकता केवल राजनीति में रहकर देश सच्ची सेवा करने की रही है। और उनके कार्यकाल की बड़ी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य रूप उपस्थित प्रदेश सचिव समीर .खान मोनू बड़ोनिया.रूपसिंग ठाकुर. प्रशांत राजपूत. सरफराज खान. करन चदेल. मोनू बाघ .सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने प्रतिमा पर फूल चढ़कर मोमबती जलाकर सभी ने तीन मिनिट का मौन धारण किया।

बरसते पानी में कलेक्टर पहुँचे धान खरीदी केन्द्रों पर, धान पर ढकी तिरपाल उठा उठा कर देखा धान को

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने आज बरसते पानी में जिले के तेंदूखेड़ा क्षेत्र में बनाये विभिन्न धान उपार्जन केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने धान उपार्जन केन्द्र सेवा सहकारी समिति हरदुआ मुडर स्थल गांधी वेयर हाउस जोरतला, सेवा सहकारी समिति पुरा करौदी, सेवा सहकारी समिति झलोन, सेवा सहकारी समिति तारादेही, सेवा सहकारी समिति सर्रा, सेवा सहकारी समिति समनापुर श्रीजी गोदाम, सेवा सहकारी समिति तेन्दूखेडा 01 अरहम गोदाम, सेवा सहकारी समिति सांगा बम्होरी गोदाम एवं सेवा सहकारी समिति तेजगढ़ स्थल हर्ष गोदाम का निरीक्षण किया।

सीएम राइज हायर सेकेंडरी स्कूल माखननगर में कैरियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन

नर्मदापुरम। जिला रोजगार अधिकारी एबी खान और धर्मेश तिवारी के निर्देशानुसार विद्यार्थियों को बेहतर विकल्प चुनने के लिए कैरियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन सीएम राइज हायर सेकेंडरी स्कूल माखन नगर में किया गया, वरिष्ठ शैक्षणिक परामर्शदाता डॉ.मयंक तोमर ने विद्यार्थियों को सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए मार्गदर्शन दिया और विद्यार्थियों से कहा कि कभी भी अपने शिक्षकों और सलाहकार से प्रश्न पूछने से न डरें, डॉ.तोमर ने कहा कि अपनी पढ़ाई पर निरंतर ध्यान देने से निश्चित रूप से लक्ष्य प्राप्त करने में मदद मिलेगी, सत्र के दौरान मनोवैज्ञानिक स्वाति गुप्ता और कार्यालय सहायक शिवानी नागले भी उपस्थित थे, स्कूल के प्रिंसिपल केके दुबे ने अतिथियों को धन्यवाद दिया,

दुर्लभ उल्लू की प्रजाति का वन विभाग की टीम ने किया सफल रेस्क्यू

सिवनी। जिले के ग्राम कान्हीवाड़ा में स्थित एक राइस मिल में वन विभाग की टीम रेस्क्यू कर दुर्लभ प्रजाति के उल्लुओं को सुरक्षित बचा लिया गया। जानकारी के

अनुसार राइस मिल में दुर्लभ प्रजाति की उल्लुओं ने अपना बसेरा बनाया हुआ था जिसकी जानकारी राइस मिल संचालक अरुण मोदी ने वन विभाग को दी।वन विभाग तुरंत हरकत में आते हुए राइस मिल पहुंच कर दुर्लभ प्रजाति के उल्लुओं को सुरक्षित बचा लिया। आपको बता दें कि उल्लुओं ने राइस मिल के एक राइस टैंक में अपना बसेरा बनाया हुआ था वन विभाग की सूचना के अनुसार विलुप्त प्रजाति के उल्लू की सूचना प्राप्त होते ही पेंच टाइगर रिजर्व और स्थानीय वन विभाग की टीम सक्रिय हुई और राइस मिल पहुंच कर सात दुर्लभ प्रजाति के उल्लुओं को सुरक्षित कर लिया गया इन दुर्लभ प्रजाति के उल्लू को पेंच टाइगर रिजर्व ले जाया जा रहा है जहां उनकी देखभाल और सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। वन विभाग के द्वारा बताया गया कि यह उल्लू की प्रजाति विलुप्त होने की कगार पर है और उनका संरक्षण बेहद ही जरूरी है।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। औबेदुल्लागंज में पूर्व प्रधानमंत्री स्व- डॉ मनमोहन सिंह को सभी दल के लोगों ने मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शहर की जनता ने नम आंखों से नमन कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए उक्त अवसर पर सुरजीत सिंह बिल्ले, सुरजीत सिंह गिल, हरजीत सिंह मंगू, देवेंद्र सिंह राजू, जयप्रकाश शर्मा (जेपी भैया) नरेंद्र सिंह गिल, जगजीत सिंह (जीते भैया) शिवराज सिंह (शम्मी भैया) मनजीत सिंह, हरदीप सिंह, संजय सिंह चौहान ,राजेश खटीक, उत्तम यादव, पवनजीत सिंह, राजू मेहरा, पवित्र कौर, सभी वर्ग एवं दलों के वरिष्ठ लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये और डॉक्टर साहब की जीवनी पर प्रकाश डाला हरजीत सिंह मंगू ने सभी का आभार प्रकट किया।

श्री विनायकम स्कूल के वार्षिक उत्सव विहान में विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुति

बैतूल। विगत 23 वर्षों से संचालित श्री विनायकम स्कूलमें चल रहे वार्षिकोत्सव ÷विहान÷ के चौथे दिन नर्सरी से लेकर बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक से बढ़कर एक शानदार प्रस्तुतियां दी है। मुख्य रूप से निर्णायक महेश इंगले, सपना सोनी और पुष्पा झड़बड़े कार्यक्रममें उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत गीत और सरस्वती वंदना से कि गई। इसके पश्चात बच्चों ने आत्मविश्वास से पारंपरिक, शास्त्रीय और बॉलीवुड गानों पर नृत्य प्रस्तुत किया। 23 वर्षों की परंपरा में अध्ययन और एक्टिविटी का संगम वार्षिकोत्सव ÷विहान÷ इसी परंपरा का हिस्सा है। जहां विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला है।

नैकहाई शौर्य स्मारक के कार्य समय-सीमा में करें पूर्णः उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

रीवा। रीवा के बघेल राजवंश के कार्यकाल में रीवा राज्य में दुश्मनों के आक्रमण का बघेलखण्ड के सपूतों ने मुहतोड़ जवाब दिया। यहाँ के सेनानायकों और वीर सैनिकों की शौर्यगाथा चोरहटा में नैकहाई में लिखी गई। नैकहाई में वीरों की स्मृति में शौर्य स्मारक स्थापित किए गए हैं। इन शौर्य स्मारकों को सुरक्षित और संरक्षित रखने के कार्य का उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने जायजा लिया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सौन्दर्यीकरण के लिए स्वीकृत विभिन्न कार्यों को समय सीमा में पूरा कराने के निर्देश दिये और कहा कि नैकहाई स्मारक को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करें। इसके बाउन्ड्रीवॉल और मेनगेट का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराएं।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि परिसर में वीर शहीदों की छतरियों के जीर्णोद्धार के लिए एक करोड़ 25 लाख रुपए की राशि मंजूर की गई है। इसके निविदा की कार्यवाही पूरी करके कार्य शीघ्र शुरू कराएं जिससे 8 फरवरी को वीरों के बलिदान दिवस पर नैकहाई शौर्य स्मारक का विधिवत उद्घाटन किया जा सके।क्षेत्रीय संचालक औद्योगिक विकास केन्द्र श्री यूके तिवारी, कार्यपालन यंत्री औद्योगिक विकास निगम श्री केके गर्ग तथा हाउसिंग बोर्ड के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री जी की मन की बात का किया श्रवण

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निज निवास पर स्थानीय जनों के साथ प्रधानमंत्री जी की मन की बात कार्यक्रम को सुना। उप मुख्य मंत्री श्री शुक्ल ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री जी ने देश को विश्वगुरू बनाने और विकसित करने का जो संकल्प लिया है उसे पूरा करने के लिए हर दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से हम सबको प्रधानमंत्री जी का मार्गदर्शन और प्रेरणादायक उद्बोधन मिलता है। इससे जनहित के कार्यों को करने के लिए नई ऊर्जा प्राप्त होती है।

रीवा के प्रतिभाशाली निशानेबाज यश पाण्डेय को किया सम्मानितः उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा के प्रतिभाशाली निशानेबाज यश पाण्डेय को निज निवास में सम्मानित किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा ही नहीं पूरे विन्ध्य क्षेत्र में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हुए हैं। जिन्होंने राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। यश भी राइफल शूटिंग प्रतियोगिता में राष्ट्रीय ही नहीं ओलम्पिक में पदक प्राप्त करें। उप मुख्यमंत्री ने पुष्पगुच्छ देकर तथा मिठाई खिलाकर यश को सम्मानित किया और उत्साहवर्धन किया। उल्लेखनीय है कि यश पाण्डेय ने भोपाल में आयोजित 67वीं राष्ट्रीय राइफल शूटिंग प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। यश पाण्डेय ने 10 मीटर राइफल में रजत पदक जीतकर मध्यप्रदेश और रीवा का मान बढ़ाया।

अभाविप का 57 वाँ प्रांत अधिवेशन गुना में सम्पन्न हुआ

भोपाल। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मध्य भारत प्रांत का अधिवेशन 19 से 21 दिसंबर को गुना में संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान सत्र 2024-25 के अध्यक्ष डॉ.धर्मेंद्र राजपूत एवं प्रांत मंत्री केतन चतुर्वेदी जी निर्वाचित हुए। इस अधिवेशन में 18 जिलों के 1015 प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री आशीष चौहान जी का भाषण अभाविप की विशिष्ट कार्यपद्धति पर रहा जिसमें उन्होंने कहा विद्यार्थी परिषद समय के साथ साथ निरंतर आगे बढ़ता जा रहा है,70 के दशक से विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने स्थ्द्धरु टूर के माध्यम से उत्तर पुर्वी छात्रों एवं जनमानस को भारतीय परंपरा एवं संस्कृति से जोड़ने का काम किया। उन्होंने कहा कि भारत देश में जो वामपंथ के अंश रह गए हुए हैं उनको भी जड़ से उखाड़ने का काम अभाविप मध्य भारत प्रांत के कार्यकर्ता करेंगे। अभाविप की राष्ट्रीय कार्य समिति की विशेष आमंत्रित सदस्य डॉ निधि बहुगुणा का भाषण विमर्श निर्माण में परिसर की भूमिका पर रहा। जिसमें उन्होंने कहा कि आज देश में कई देश विरोधी ताकत है उन्हें परिसरों के अंदर वामपंथ एवं नक्सलाइट विचारधारा को स्थापित करने का प्रयास कर रहे है ,साथ ही सामाजिक एवं धार्मिक परम्पराओं पर आहत करने का प्रयास कर रहे है परंतु अभाविप जैसे राष्ट्रवादी संगठन के परिसर में होते हुए यह संभव नहीं है कि कोई वामपंथ विचारधारा स्थापित हो सके।

अभाविप के अधिवेशन में 3 प्रताव भी पारित किए गए

1. शिक्षकों की कमी से जूझ रहे प्रदेश के शैक्षणिक संस्थान,
2. 2. जीवंत परिसर से बने सरथाओ विद्यार्थी जीवन,
3. 3. वर्तमान परिदृश्य ,

यह विषय रहे।

शैक्षणिक संस्थानों की गिरती गुणवत्ता, स्वावलंबन से विकसित भारत, साइबर क्राइम एवं बचाव के उपाय, एक देश एक चुनाव एवं शहरी नक्सलवाद जैसे विषयों पर भी सत्र रहे। अधिवेशन में शोभायात्रा भी रही जिसमें गुना के नगर वासियों ने अभाविप के प्रतिनिधियों पर पुष्प वर्षा कर उनका भव्य स्वागत किया।इसके पश्चात खुला मंच रहा जिसमें छात्र नेताओं के भाषण रहें।जिसमें मुख्य रूप से राष्ट्रीय मंत्री कुमारी शालिनी वर्मा एवं प्रांत मंत्री केतन चतुर्वेदी जी का भाषण रहा। शोभा यात्रा के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम रहा जिसमें हृदय बैंड ग्रुप के माध्यम से अयोध्या के राम मंदिर की जीवन गाथा प्रतिनिधियों के समक्ष रखी गई। समारोह सत्र में अभाविप के प्रांत संगठन मंत्री श्री रोहित दुबे जी का भाषण रहा एवं सत्र 2024-25 की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई।

फर्जी तरीके से जमीन की रजिस्ट्री कर धोकाधड़ी के 5 आरोपी गिरफ्तार 2 फरार

दमोह पुलिस अधीक्षक दमोह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दमोह एवं नगर पुलिस अधीक्षक दमोह के निर्देशन में अपराधो के निराकरण हेतु अभियान चलाया जा रहा है उक्त तारतम्य में थाना कोतवाली दमोह के अपराधक्र 289/2024 420, 419, 468, 467,120 बी ता. हि. के प्रकरण की सतत् विवेचना की गयी। प्रकरण में आरोपीगण ने एक राय होकर प्रकरण के प्राथीं शोभाराम पटेल निवासीसमन्ना को श्रीमति कमला देवी सेन निवासी राजाखेडी सागर कीग्राम कादीपुर स्थित जमीन को फर्जी तरीके से विक्रय किया है जिसकी विक्रय की रकम 31 लाख रूपये का इन सभी आरोपीगण ने मिलकर आपस में वितरण कर लिया था जो फरियादी शोभाराम पटेल नि समन्ना द्वारा शिकायत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया था जो शिकायत जांच पर अज्ञात आरोपीगण के विरुद्ध थाना कोतवाली दमोह में अपराध क्र 289/2024 धारा 420,419,468,467,120 बी ता. हि. पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान प्रकरण में साक्ष्य संकलित कर आरोपीगण, हरगोविंद पिता रामेश्वर प्रसाद पटेल निवासी ग्राम हरदी, गिरधारी पिता भगवानदास पटैल निवासी ग्राम समन्ना थाना दमोह , राजेश पिता घनश्याम पटेल निवासी ग्राम चंदौरा थाना दमोह निवासी श्रीवास्तव कालोनी दमोह, श्रीमति गेंदाबाई पति बेडीलाल बसोर निवासी ग्राम बाकल थाना बाकल, श्रीमति जानकी पति रामदास गौर निवासी ग्राम माला थाना नोहटा जिला दमोह को सायबर सेल दमोह की मदद से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया है।

चाकू बाजी और लूटपाट के आरोपी रोशन पर रासुका की कार्यवाही

भैसदेही और सारणी पुलिस ने स्थायी वारंटी को कोर्ट पेश कर जेल भेजा

दैनिक सांध्य प्रकाश योगेश गुप्ता, बैतूल। थाना कोतवाली बैतूल क्षेत्र में दिनांक 15 अक्तूबर की रात की गई चाकूबाजी लूटपाट और गंभीर मारपीट की घटनाओं में पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। मुख्य आरोपी रोशन उर्फ रोशु उम्र 21वर्ष ग्रीन सिटी थाना गंज के आपराधिक कृत्यों से उत्पन्न खतरे को ध्यान में रखते हुये। आरोपी के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 की धारा 3(2) के तहत प्रस्ताव माननीय जिला मजिस्ट्रेट बैतूल के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा आरोपी को केंद्रीय जेल भोपाल में निरुद्ध रखने का आदेश दिनांक 30.10.2024 को पारित किया गया था। इसके उपरांत मध्य प्रदेश राज्य शासन द्वारा उक्त आदेश को उचित मानते हुए आरोपी को दिनांक 31.01.2025 तक (अगले 03 माह) के लिए निरुद्ध रखने के आदेश जारी किए गए हैं। आरोपी रोशन कोर्ट पेश किया।

पुलिस अधीक्षक की अपीलः पुलिस अधीक्षक निश्चल एन झारिया ने कहा कि बैतूल पुलिस आपकी सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर है। समाज में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए बैतूल पुलिस प्रतिबद्ध है। जनता से अपील करती है। सभी आपराधिक गतिविधियों की सूचना नजदीकी थाना या पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 100/112 पर देकर जिम्मेदार नागरिक होना परिचय दे। वहीं सारणी थाना पुलिस ने भी दो स्थाई वारंटी गोविंद यादव गुड्डू कठोले को गिरफ्तार कर कोर्ट पेश किया जहां से उन्हें जेल भेजा गया। तथा थाना भैंसदेही ने 2015 के गोवंश मामले में पिछले 2 वर्षो से फरार स्थाई वारंटी जाहिर उर्फ पुंगी निवासी जमपुरा कराजगांव महाराष्ट्र की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। 29 दिसम्बर क सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जमपुरा कराजगांव महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया गया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी नीरज पाल के निर्देशन में प्रधान आरक्षक 148 पंजाब, आर. 600 सोनू, आर. 426 मनोज की महत्वपूर्ण भूमिका रही हैं।

किराड़ क्षत्रिय शासकीय कर्मचारी साख सहकारी संस्था के 25 वर्ष पूर्ण

धूमधाम से मनाई रजत जयंती आयोजन मे मुख्य रूप से जनप्रतिनिधि भी उपस्थित

सांध्य प्रकाश बैतूल। किराड़ क्षत्रिय शासकीय कर्मचारी साख सहकारी संस्था मर्यादित ने अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर भव्य रूप से रजत जयंती समारोह सरले सेलिब्रेशन हॉल में संपन्न हुआ।

मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई। मुख्य अतिथी बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल. आमला विधायक योगेश पंडाग्रे .मध्य प्रदेश जन अभियान के उपाध्यक्ष मोहन नागर. किराड़ समाज जिलाध्यक्ष कुलराज नरवरे.कर्मचारी समिति अध्यक्ष फूलचंद महादुले. डॉ. अरविंद चौहान. पूर्व अध्यक्ष जीडी नरवरे. संरक्षक घनश्याम सूर्यवंशी और संजय घिडोडे. नपा अध्यक्ष श्रीमती वर्षा गढ़ेकर. महिला अध्यक्ष किराड़ समाज श्रीमती प्रमिला सिमैया मंचासीन रहे। समिति के 25 वर्षों के कार्यों और उपलब्धियों का वाचन संरक्षक संजय घिडोडे ने किया। श्री नागर ने समाज में जनजागृति, कुरीतियों के उन्मूलन. पौधारोपण और प्लास्टिक मुक्त अभियान जैसे प्रयासों की प्रशंसा किया। विधायक हेमंत खंडेलवाल एवं योगेश पंडाग्रे ने समिति के कार्यों की सराहना की और हर संभव सहयोग करने का आश्वसान दिया है। समारोह में देशी नस्ल की गाय पालन करने वाले स्वजातीय गौपालक और विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट कार्य करने वालों को स्मृति चिन्ह और पुष्पमाला से सम्मानित किया गया। समाज के विशिष्ट कार्यकर्ता तुलाराम सूर्यवंशी सरपंच ग्राम सर्रा. सेवाराम नरवरे . नगेंद्र पटेल नरेंद्र गडेकर. गजानंद पटेल झाडे. कृष्ण सुजाने .दुर्गाप्रसाद सूर्यवंशी सचिव भवन समिति . चंद्र किशोर लिल्होरे. श्रीमती सुषमा नरवरे पूर्व महिला जिला अध्यक्ष. महादुले मैडम. शिवराज झाडे . प्रवीण नरवरे. सूरज लाल हरोडे. डीडी अमरूते .धर्मराज झाडे. शिवदयाल लोहारे. हरीश गडेकर.धनराज मोहने और रमेश गडेकर. विशेष रूप से उपस्थित थे। मंच संचालन दुलीचंद हरोड़े और आभार प्रदर्शन समिति अध्यक्ष फूलचंद महादुले ने किया है।

शहरी क्षेत्र ज्यारत नाका में टीलोजी चाय कॉफी की दुकान में फटी काफी मशीन जोरदार धमाका, क्षेत्र में फैली दहशत

सिवनी- नगर के व्यस्ततम शहरी क्षेत्र ज्यारत नाका में दोपहर लगभग 12.30 बजे के आसपास टीलोजी चाय काफी सेंटर में बहुत तेज आवाज के साथ धमाका हुआ मानो कहीं कोई बम फट गया हो जिससे आसपास के रहवासियों और प्रतिष्ठानों में दहशत का माहौल पैदा हो गया प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक धमाका बहुत ही जोरदार था पर यह धमाका बम या बारूद का नहीं बल्कि कॉफी की मशीन की तकनीकी खराबी के कारण हुआ। ऐसा बताया जा रहा है कि हादसे के दौरान दुकान में ग्राहकों की भीड़ लगी हुई थी धमाका जितना जोरदार का था कि दुकान के कांच के टुकड़े सड़क के दूसरी ओर तक जा गिरे चाय की दुकान में हुए धमाके के बाद घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां प्राथमिक उपचार होने के बाद गंभीर रूप से घायलों को चिकित्सकों ने नागपुर रैफर कर दिया। जिन घायलो को नागपुर रैफर किया गया है उनमें दुकान का संचालक देवांश चैरसिया छपारा, आयुष ताम्रकार छपारा, सतीश चद्रंवंशी बाबूजी नगर को उचित उपचार हेतु नागपुर रैफर किया गया है।

प्रत्यक्षदर्शी मनीष शिवहरे जो कि बारापत्थर का निवासी बताया जा रहा है जिसका उपचार जिला चिकित्सालय में चल रहा है जो कि ज्यारत नाका क्षेत्र में स्थित रॉयल लॉन में मजदूरी का कार्य करता है चाय पीने गया था और चाय का इंतजार कर रहा था उसके अनुसार तभी अचानक धमाका हुआ जिसके गले में कॉच के टुकडे आकर गड गए इस धमाके ने यह सिद्ध कर दिया है कि शहर में चल रही इस तरह की अनेको चाय कॉफी की दुकान है जिनकी सुरक्षा मानक उपकरण की जांच होनी चाहिए ताकि इस तरह की घटना दोबारा घटित ना हो, नगर की जनता व स्थानीय निवासियों ने इस तरह की घटना की घोर निंदा की है और प्रशासन पर भी सुरक्षा को लेकर सवालिया निशान उठाए हैं।

सिरोंज पुलिस ने किया वाहन चोर को किया गिरफ्तार

सिरोंज। फरियादी जितेन्द्र वर्मा निवासी सिरोंज रिपोर्ट किया कि उसकी मोटर साईकिल क्रमांक स्क्क37स्क्क3937 मंडी गेट के पास खडी की थी। किसी अज्ञात चोर द्वारा उसकी मोटर साईकिल चोरी कर ली है। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना सिरोंज पर अपराध क्रमांक 609/2024 धारा 303(3) बी.एन.एस. का पंजीबद्ध कर विवेचना की गई। विवेचना के दौरान रोहित काशवानी , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉक्टर प्रशांत कुमार के निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी पुलिस उमेश तिवारी के मार्गदर्शन थाना प्रभारी सिरोंज संदीप कुमार पवार के नेतृत्व में उनि. राकेश रघुवंशी व हमराह बल के साथ आरोपी प्रताप सिंह मीणा पुत्र नन्नूलाल मीणा उम्र 38 साल निवासी ग्राम खेजडा वारमा थाना जामनेर को गिरफ्तार किया गया। अपराध सदर मे चोरी गई मोटर सायकल काह्य जप्त किया गया व आरोपी का न्यायालय से पी.आर. प्राप्त कर पुनः पूछताछ की गई। आरोपी द्वारा अपने मेमोरेण्डम में उक्त गाडियों के बारे में जानकारी दी। जिनके चेचिस नंबर व इंजन नंबर इस प्रकार है (1) हीरो एच एफ डीलक्स (2) हीरो एच एफ डील्कस (3) होन्डा सीडी (4) हीरो स्पेलेन्डर प्लस (5) हीरो पेशन प्रो (6) हीरो एच एफडीलक्स (7) हीरो पेशन प्रो (8) टी वी एस स्टारसिटी प्लस (9) हीरो होन्डा स्पेलेन्डर जिसका चेसिस नंवर व इजंन नंवर घिसा हुआ है (10)होन्डा सीवी 125 है उक्त सभी मोटर सायकिलों को चोरी की होने से जिन्हे इस्तगासा क्र 2/24 धारा 35(1-5),106 बी.एन.एस.एस 303(2)बी.एन.एस जप्त किया गया। कुल 11 गाडियां जप्त की गई है। कीमत करीबन 4.5 लाख करीबन है। जप्त मोटर साईकिल भोपाल , राजगढ, शाजापुर , राजस्थान की है। उक्त गाडियों की मालिक की जानकारी प्राप्त की जा रहा है।

मुख्य भूमिका - उनि राकेश ऱघुवंशी, प्रआर 733 अमित मिश्रा, प्.आर. 198 खुशीलाल दांगी, प्रआर 703 रघुवीर मीना, आर. महेश , आर. शैलेन्द्र आर 445 बाबूलाल , आर. फिरोज खान।

पीएम के मन की बात, बैरसिया के श्रोताओं का दूरदर्शन के माध्यम से पूरे देश के चैनल्स में हुआ सीधा प्रसारण

बैरसिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात सुनने के लिए रविवार को महावीर पैलेस में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में खासबात यह रही कि बैरसिया में आयोजित पीएम मोदी के मन की बात का सुनने वाले श्रोताओं का दूरदर्शन पर सीधा प्रसारण किया गया। दूरदर्शन के माध्यम से सभी नेशनल न्यूज़ चैनल्स में बैरसिया के श्रोताओं की झलक दिखती रही। कार्यक्रम में विधायक विष्णु खत्री, भाजपा प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ राघवेंद्र शर्मा और भाजपा जिलाध्यक्ष केदार सिंह मंडलोई, नगर मंडल अध्यक्ष अंशुल आगर सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने पीएम मोदी के मन कि बात सुनी।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 117वीं पीएम मोदी ने 'मन की बात' की शुरुआत करते हुए देशवासियों को नए साल की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि 2025 अब नजदीक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि चञ्ञक्क यानि कृष, तृष और बाल्टीबॉय। आपको शायद पता होगा बच्चों की पसंदीदा एनिमेशन सीरीज और उसका नाम है चञ्ञक्क भारत हैं हम और अब इसका दूसरा सीजन भी आ गया है। ये तीन एनिमेशन कैरेक्टर हमें भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उन नायक-नायिकाओं के बारे में बताते हैं जिनकी ज्यादा चर्चा नहीं होती। हाल ही में इसका सीजन-2 बड़े ही खास अंदाज में अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिव ऑफ इंडिया, गोवा में लॉन्च हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं आपको ओडिशा के कालाहांडी के एक ऐसे प्रयास की बात बताना चाहता हूं, जो कम पानी और कम संसाधनों के बावजूद सफलता की नई गाथा लिख रहा है। ये है कालाहांडी की %सब्जी क्रांति%। जहां, कभी किसान, पलायन करने को मजबूर थे, वहीं आज, कालाहांडी का गोलामुंडा ब्लॉक एक सब्जी का हब बन गया है। यह परिवर्तन कैसे आया? इसकी शुरुआत सिर्फ 10 किसानों के एक छोटे से समूह से हुई। इस समूह ने मिलकर एक स्न्क्क- %किसान उत्पाद संघ% की स्थापना की, खेती में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल शुरू किया, और आज उनका ये स्न्क्क करोड़ों का कारोबार कर रहा है। आज 200 से अधिक किसान इस स्न्क्क से जुड़े हैं, जिनमें 45 महिला किसान भी हैं। ये लोग मिलकर 200 एकड़ में टमाटर की खेती कर रहे हैं, 150 एकड़ में करेले का उत्पादन कर रहे हैं। अब इस स्न्क्क का सालाना टर्नओवर भी बढ़कर डेढ़ करोड़ से ज्यादा हो गया है। आज कालाहांडी की सब्जियां, न केवल ओडिशा के विभिन्न जिलों में, बल्कि, दूसरे राज्यों में भी पहुंच रही हैं, और वहां का किसान, अब, आलू और प्याज की खेती की नई तकनीकें सीख रहा है।

सोशल मीडिया से

भरत द्वारा ब्राह्मण वर्ण की स्थापना -भाग 2.

वर्ण-व्यवस्था ऱ्क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र इन तीन वर्णों की स्थापना सम्राट श्री ऋषभदेव द्वारा कीगई 7श्वेताम्बर ग्रंथों में ऐसा वर्णन स्पष्ट रूप से नहीं मिलता है। यह वर्ण

व्यवस्था आजीविकावृत्ति को व्यवस्थित रूप देने के दृष्टिकोण से की गई थी न कि ऊंचता या नीचता की दृष्टि से।

सम्राट श्री ऋषभदेव ने स्वयं शस्त्र धारण कर मनुष्यों को यह शिक्षा दी कि आततायियों से निर्बलों की रक्षा करना शक्ति सम्पन्न व्यक्ति का प्रथम कर्तव्य है। आपके इस आव्हान से अनेक व्यक्तियों ने इस कर्म को स्वीकार किया और आपने स्वयं दूर दूर के प्रदेशों में पद-यात्रा कर लोगों के मन में यह विचार उत्पन्न किया कि मनुष्य को सतत् गतिमान् रहना चाहिये और एक स्थान से दूसरे स्थान पर वस्तुओं का आयात-निर्यात कर प्रजा का जीवन सुखमय बनाने का प्रयास करना चाहिये। जिन व्यक्तियों ने इस कार्य के लिये अपने आपको

प्रस्तुत किया वे वैश्य के नाम से सम्बोधित किये गये 7

श्री ऋषभदेव ने यह भी प्रेरणा दी कि कर्म-युग में एक दूसरे के सहयोग केबिना कार्य नहीं चल सकता। इसके लिये ऐसे व्यक्तियों की आवश्यकता है जो बिना किसी भेदभाव के सेवाकार्य कर सके। जो व्यक्ति सेवा हेतु प्रस्तुत हुए, उनको शूद्र कहा गया।इस प्रकार शस्त्र धारण कर आजीविका चलाने वाले क्षत्रिय, कृषि और पशु पालन के माध्यम से जीविकोपार्जन करने वाले वैश्य और सेवा करने वाले शूद्र कहलाये।यह वर्ण व्यवस्था जन्म के आधार पर ना होकर कर्म के आधार पर बनाई गई थी।ब्राह्मण वर्ण की स्थापना भरत द्वारा की गई॥

सभार–जैन धर्म का संचिप्त इतिहास।डॉ. तेजसिंह गौड़।
सुगालचंद जैन, चेन्नई.

डॉ. मनमोहन सिंह एक महान व्यक्तित्वः श्री जीपी हिंदुजा

श्री जीपी हिंदुजा ने अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह को याद करते हुए कहा कि अर्थशास्त्रियों में डॉ. सिंह एक महान व्यक्तित्व थे। जब दिवालियापन की कगार पर खड़े देश को किसी ऐसे अर्थशास्त्री की जरूरत थी जो भारत की बागडोर संभाले और भारत को एक नई दिशा दे सके, तब वे भारत के भाग्य विधाता बने। 1991 में उनके स्पष्ट दृष्टिकोण ने एक युगांतरकारी बजट के माध्यम से पुनर्जीवित कर राष्ट्र को उदारीकरण की राह पर आगे बढ़ाया जो पहले कभी नहीं देखा गया। उन्होंने भारत की पुरानी संरक्षणवादी नीतियों की बेड़ियों को तोड़ने में मदद की और भारत को दुनिया के लिए खोल दिया, यह एक परिवर्तनकारी कार्य था जिसे भविष्य में आधुनिक भारत के इतिहास में हमेशा स्वर्ण अक्षरों में याद किया जाएगा। जैसा कि हम जानते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था के उदारीकरण से लेकर लाइसेंस राज के उन्मूलन तक, यह उनके प्रयास भी थे जिन्होंने भारत के आर्थिक परिवर्तन की नींव रखी और वैश्विक व्यापार के लिए दरवाजे खोले। भारत डॉ. सिंह के रूप में इस विनम्र लेकिन साहसी व्यक्ति का बहुत आभारी है, जिन्होंने भारत को परमाणु अलगाव से वैश्विक परमाणु राष्ट्रों की मुख्यधारा में लाने में एक अभिन्न भूमिका निभाई। इस प्रकार, वास्तव में डॉ. मनमोहन सिंह एक कुशल राजनेता थे जिन्होंने भारत को समृद्धि के पथ पर गौरवपूर्ण स्थान दिलाने में मदद की और इसके लिए उन्हें सदैव याद किया जाएगा।

एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड के बोर्ड ने एचडीएफसी बैंक से क्रेडिट सुविधा को मंजूरी दी

नई दिल्ली। एचएमए एग्रो एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जो प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों और कृषि उत्पादों में अग्रणी है, ने एचडीएफसी बैंक लिमिटेड द्वारा कंपनी को प्रदान की गई 1,600 मिलियन रुपये की विभिन्न क्रेडिट सुविधाओं को मंजूरी दी है। हाल ही में, बोर्ड ने घोषणा की है कि उसने अल रेयान एक्सपोर्ट के साथ एक समझौता किया है। इस समझौते के तहत, स्लॉटरिंग, चिलिंग, प्रोसेसिंग, फ्रीजिंग और पैकिंग के लिए सुविधाएं प्रदान की जाएंगी, जिससे हलाल बोनलेस भैंस के मांस को प्रोसेस और पैक किया जाएगा। इससे पहले, कंपनी ने पर बडानन केमाजुआन पर्टानियन सेलांगोर जो मलेशिया के सेलांगोर राज्य का एक सरकारी संगठन है, के साथ एक समझौता ज्ञापन (स्ह्र) किया था।

इंदौर में गोल्डन युग सीनियर सिटीजन रिसॉर्ट की हुई ग्रैंड ओपनिंग

इंदौर, मध्य प्रदेश - शारदा परिवार फाउंडेशन ने डॉ. एच. एम. शारदा और उनके परिवार के नेतृत्व में दिवंगत श्रीमती पुष्पा शारदा की याद में गोल्डन युग सीनियर सिटीजन रिसॉर्ट का शुभारंभ 28 दिसंबर 2024 को किया। यह रिसॉर्ट इंदौर-उज्जैन हाइवे पर स्थित तराना गांव में बनाया गया है और इसे शारदा परिवार की कंपनी ईशा सहज दिशा प्रा. लिमिटेड द्वारा संचालित किया जाता है। यह आधुनिक और शानदार सुविधाओं से सुसज्जित है, जो सीनियर लिविंग में एक नया आयाम जोड़ता है।रिसॉर्ट के उद्घाटन समारोह में बॉलीवुड अभिनेत्री अदा शर्मा, जो इसकी ब्रांड एंबेसडर भी हैं, विशेष रूप से मौजूद रहीं। उन्होंने इसे वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि बताया। इसके अलावा, भारतीय क्रिकेट के दिग्गज कपिल देव, जिन्हें भी ब्रांड एंबेसडर के रूप में चुना गया है, ने इस रिसॉर्ट की विश्वस्तरीय सुविधाओं और पर्यावरण के प्रति इसके समर्पण की सराहना की। इस कार्यक्रम में गोल्डन युग के संस्थापक संदेश शारदा, उनके परिवार, और मराठी अभिनेत्री व ऑस्कर-लिस्टेड निर्माता तृप्ति भोईर ने भी हिस्सा लिया। गोल्डन युग के संस्थापक संदेश शारदा ने कहा, ÷गोल्डन युग केवल एक घर नहीं है, बल्कि एक ऐसा समुदाय है, जहां हमारे बुजुर्ग सम्मान, आराम और खुशी के साथ अपना जीवन जी सकते हैं, साथ ही पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार जीवनशैली को अपना सकते हैं।÷इस भव्य आयोजन का समन्वय 'ए वॉयसेज अनहर्ड' फिल्म प्रोडक्शन ने किया, जिसकी संस्थापक रुही है। साथ ही,इंडिया के बोर्ड एडवाइजर सौरभ शर्मा ने भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अदा शर्मा और कपिल देव जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड एंबेसडर्स के साथ, गोल्डन युग सीनियर सिटीजन रिसॉर्ट ने भारत में वरिष्ठ नागरिकों के लिए लक्जरी, सस्टेनेबल और उच्च गुणवत्ता वाली देखभाल का एक नया मानक स्थापित किया है।

भारत में वित्तीय वर्ष 2024 में 997.83 मीट्रिक टन का रिकॉर्ड कोयला उत्पादन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने वित्त वर्ष 2023-24 में 997.826 मिलियन टन (एमटी) का अपना अब तक का सबसे अधिक कोयला उत्पादन हासिल किया, जो 2022-23 में 893.191 एमटी की तुलना में 11.71 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। कोयला मंत्रालय के अनुसार, एकीकृत कोयला रसद योजना के तहत सरकार ने वित्त वर्ष 2030 तक 1.5 बीटी कोयला उत्पादन का लक्ष्य रखा है। कैलेंडर वर्ष 2024 (15 दिसंबर तक) के दौरान, कोयला उत्पादन अनंतिम 988.32 मीट्रिक टन तक पहुंच गया, इसमें सालाना आधार पर 7.66 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। कोयले की आपूर्ति में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, 15 दिसंबर, 2024 तक 963.11 मीट्रिक टन अनंतिम आपूर्ति की गई।

बदलेगा कर्मचारियों को वेतन देने का सिस्टम, नए साल से होगा लागू

मध्यप्रदेश में सरकारी कर्मचारियों की वेतन प्रणाली में एक अहम बदलाव किया गया है। राज्य सरकार ने फैसला लिया है कि अब पंचायतों और जनपदों के कर्मचारियों को उनकी वेतन राशि अतिरिक्त स्टाम्प ड्यूटी के जरिए दी जाएगी।

मध्यप्रदेश में सरकारी कर्मचारियों की वेतन प्रणाली में एक अहम बदलाव किया गया है। राज्य सरकार ने फैसला लिया है कि अब पंचायतों और जनपदों के कर्मचारियों को उनकी वेतन राशि अतिरिक्त स्टाम्प ड्यूटी के जरिए दी जाएगी। यह नया नियम 20 जनवरी 2025 से प्रभावी होगा, और इसके जरिए पंचायतों की वित्तीय स्थिति को भी मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा।

वेतन भुगतान के लिए स्टाम्प ड्यूटी का इस्तेमाल

मध्यप्रदेश सरकार ने पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 75 के तहत एक प्रतिशत तक अतिरिक्त स्टाम्प ड्यूटी लगाने का आदेश जारी किया है। अब इस राशि का उपयोग पंचायतों के कर्मचारियों के वेतन, भत्तों और मानदेय के भुगतान में किया जाएगा। इस योजना के तहत गांव के विकास कार्यों के लिए भी अतिरिक्त राशि का उपयोग किया जाएगा।

2025 में स्क्कमें बंपर भर्तियां, स्क्क्षस्क्कने जारी किया वैकेंसी कैलेंडर

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा जारी किए गए आदेश के अनुसार, 20 जनवरी 2025 से यह नया नियम लागू होगा। पंचायतों के अधिकारियों और कर्मचारियों के वेतन-भत्तों का भुगतान इसी अतिरिक्त स्टाम्प ड्यूटी की राशि से किया जाएगा। इसके बाद जो राशि बचेगी, वह गांव के विकास कार्यों में खर्च की जाएगी। यह राशि ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से पंचायतों को भेजी जाएगी, और यह राशि जनसंख्या के आधार पर वितरित की जाएगी।

अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त मोर्चा ने किया चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान

कर्मचारियों को मिलेगा फायदा इस नए आदेश के अनुसार, ग्राम पंचायतों के रोजगार सहायकों, सचिवों और जनपद पंचायतों के पदाधिकारियों को अब अतिरिक्त स्टाम्प ड्यूटी से वेतन और मानदेय का भुगतान किया जाएगा। यह व्यवस्था पंचायतों के कर्मचारियों को वित्तीय मदद देने के साथ-साथ पंचायतों के विकास को भी बढ़ावा देगी।

चीन और वियतनाम से नायलॉन फिलामेंट यार्न और टीडीक्यू की डंपिंग जांच शुरू

वाणिज्य मंत्रालय की जांच शाखा डीजीटीआर इस मामले की कर रही है जांच

कई कंपनियों ने यार्न पर डंपिंग रोधी जांच शुरू करने के लिए दिया था आवेदन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने चीन से आने वाले दो उत्पादों पर डंपिंग रोधी जांच शुरू की है। ये उत्पाद रबर उद्योग में इस्तेमाल होने वाला एक रसायन और नायलॉन फिलामेंट यार्न हैं। वाणिज्य मंत्रालय की जांच शाखा डीजीटीआर इस मामले की जांच कर रही है। डीजीटीआर चीन और वियतनाम से आने वाले नायलॉन फिलामेंट यार्न की डंपिंग की जांच कर रहा है। साथ ही, टीडीक्यू (ट्राइमिथाइल डाइहाइड्रोक्विनोलिन) नाम के रसायन की भी जांच हो रही है। सेंचुरी एन्का, गुजरात पॉलीफिल्म्स और ओरिलॉन इंडिया ने यार्न पर डंपिंग रोधी जांच शुरू करने के लिए आवेदन दिया था। एनओसीआईएल लिमिटेड ने टीडीक्यू के लिए आवेदन दिया है।

डीजीटीआर यानी डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ ट्रेड रेमिडीज ने दो अलग-अलग अधिसूचनाएं जारी की हैं। इनमें बताया है कि आवेदकों के लिखित आवेदन पर जांच शुरू की गई है। अगर

यह साबित होता है कि डंपिंग से घरेलू कंपनियों को नुकसान हुआ है तो डीजीटीआर इन आयातों पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करेगा। शुल्क लगाने का अंतिम फैसला वित्त मंत्रालय लेता है।

जांच से क्या पता चलेगा- यह कदम घरेलू उद्योगों को संरक्षण देने के लिए उठाया गया है। चीन से सस्ते आयात की वजह से भारतीय कंपनियों को काफी नुकसान हो रहा था। इस जांच से पता चलेगा कि क्या वाकई डंपिंग हो रही है। अगर डंपिंग साबित होती है तो सरकार डंपिंग रोधी शुल्क लगा सकती है। यह शुल्क चीनी उत्पादों को महंगा बना देगा। इससे भारतीय कंपनियों को राहत मिलेगी। यह देखना होगा कि इस मामले में क्या नतीजा निकलता है।

क्या होता है डंपिंग का मतलब

डंपिंग का मतलब है किसी उत्पाद को दूसरे देश में उसकी वास्तविक कीमत से कम दाम पर बेचना। ऐसा करके विदेशी कंपनियां उस देश के बाजार पर कब्जा करने की कोशिश करती हैं। डंपिंग रोधी जांच यह पता लगाने के लिए की जाती है कि क्या सस्ते आयात के कारण घरेलू उद्योगों को नुकसान हुआ है। इसके खिलाफ कदम उठाते हुए देश ढ्ढञ्जह्र के नियमों के तहत डंपिंग रोधी शुल्क लगाते हैं। यह शुल्क निष्पक्ष व्यापार सुनिश्चित करने और घरेलू उत्पादकों के लिए विदेशी उत्पादकों और निर्यातकों के मुकाबले समान अवसर पैदा करने के लिए है। भारत ने पहले ही कई उत्पादों पर चीन समेत कई देशों से सस्ते आयात पर लगाम लगाने के लिए डंपिंग रोधी शुल्क लगाया है। डीजीटीआर ने 2024 में अब तक अलग-अलग उत्पादों पर 43 डंपिंग रोधी जांच शुरू की हैं। इनमें से 34 चीन के खिलाफ हैं। जिन देशों के खिलाफ ये जांच शुरू की गई हैं, उनमें रूस, ताइवान और जापान शामिल हैं। नायलॉन फिलामेंट यार्न का इस्तेमाल कपड़े, टायर और अन्य उत्पाद बनाने में होता है। ञ्जष्टक्क रबर उद्योग में इस्तेमाल होने

2 दिन में 28 गुना सब्सक्रिप्शन, दांव लगाने का आखिरी मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। अन्या पॉलीटेक आईपीओ को पहले दो दिन अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। कंपनी का आईपीओ अभी कल भी निवेशकों के लिए खुला रहेगा। यह आईपीओ 26 दिसंबर को खुला था। बता दें, कंपनी के आईपीओ का साइज 44.80 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए निवेशकों को फ्रेश शेयर जारी करेगी।

14 रुपये है अपर प्राइस बैंड- अन्या पॉलीटेक आईपीओ का प्राइस बैंड 13 रुपये से 14 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने 1000 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 1,40,000 रुपये का दांव लगाना होगा। कंपनी का आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 24 दिसंबर को खुला था। तब कंपनी ने एंकर निवेशकों के जरिए 12.74 करोड़ रुपये जुटाए थे। एंकर निवेशकों को जारी किए 50 प्रतिशत शेयरों का लॉक इन पीरियड महज 30 दिनों का ही है। वहीं, बाकि बचे 50 प्रतिशत का लॉक इन पीरियड 90 दिन का है।

2 दिन में 28 गुना सब्सक्राइब हुआ आईपीओ- पहले दिन अन्या पॉलीटेक आईपीओ के आईपीओ को 12 गुना से अधिक सब्सक्रिप्शन मिला था। तो वहीं दो दिन की समाप्ति के बाद आईपीओ को 28 गुना से अधिक सब्सक्राइब किया जा चुका था। रिटेल कैटगरी में सबसे अधिक 47 गुना से अधिक सब्सक्रिप्शन मिला था। क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटगरी में करीब 3 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था।

क्या चल रहा है जीएमपी- ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ 4 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। 26 तारीख से अबतक कंपनी के जीएमपी में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अगर यही जीएमपी लिस्टिंग के दिन भी रहता है हो तो कंपनी पहले दिन करीब 30 प्रतिशत का फायदा मिल सकता है।

कंपनी फर्टिलाइजर और बैग मैन्युफैक्चरिंग के बिजनेस में है। कंपनी ने अपना प्रोडक्शन 2013 में शुरू किया था। कंपनी के 750 लाख बैग हर साल उत्पादन करने की क्षमता है।

फिजिक्स टीचर ने भिड़ाया दिमाग, चाय का फॉर्मूला पकड़ खड़ा कर दिया करोड़ों का कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। शिरडी में फिजिक्स टीचर रहे नीलेश जाधव ने 500 से ज्यादा फ्रैंचाइजी आउटलेट्स वाली चाय कंपनी ग्रेजुएट चाय एंड लस्सी बनाई है। जाधव ने चाय पीने वाले देश की जरूरत को समझा और कम दाम में अच्छी चाय उपलब्ध कराई। उन्होंने सभी आउटलेट्स में चाय का स्वाद एक जैसा रखा है। 50,000 रुपये में फ्रैंचाइजी देकर वह खुद कमाने के साथ दूसरों के लिए भी रोजगार का रास्ता खोल रहे है। लॉकडाउन के बाद भी उनका बिजनेस अच्छा चला। आइए, यहां नीलेश जाधव की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

चलाते थे कोचिंग इंस्टीट्यूट - नीलेश जाधव पेशे से फिजिक्स टीचर रहे हैं। वह एक कोचिंग इंस्टिट्यूट भी चलाते थे। अब

वह बड़ी चाय कंपनी के मालिक हैं।

लॉकडाउन के दौरान उन्होंने एक चाय की दुकान शुरू की। इस दुकान से ही उन्होंने रोजाना 200 लीटर चाय बेचने का तरीका खोज निकाला। अब उनकी कंपनी ग्रेजुएट चाय एंड लस्सी के 500 से ज्यादा फ्रैंचाइजी आउटलेट्स पूरे देश में फैले हैं। खास बात यह है कि वह सिर्फ पचास हजार रुपये में अपनी फ्रैंचाइजी दे रहे हैं ताकि गरीब से गरीब व्यक्ति भी इससे जुड़कर लाखों कमा सके।

फ्रैंचाइजी मॉडल बना सफलता की कुंजी- नीलेश जाधव ने सिर्फ 50,000 रुपये में अपनी फ्रैंचाइजी देने का फैसला किया। इससे बहुत से गरीब लोग अपना खुद का बिजनेस शुरू कर पाए। यह उनके लिए एक सुनहरा मौका साबित हुआ। जाधव की कहानी शिक्षक से सफल उद्यमी बनने का प्रेरणादायक सफर है।

शिरडी से हुई शुरुआत

नीलेश जाधव ने महाराष्ट्र के शिरडी से इस सफर की शुरुआत की थी। उन्होंने देखा कि भारत में ज्यादातर लोग चाय पीते हैं। लेकिन, बहुत से लोग महंगी चाय या कॉफी नहीं खरीद सकते। इसलिए उन्होंने सोचा कि अगर साफ जगह पर और कम दाम में अच्छी चाय मिले, तो लोग जरूर पसंद करेंगे। यही उनकी कामयाबी का राज बना। अब यह कंपनी देशभर में लोगों को चाय पिला रही है।

चाय के स्वाद में नहीं फर्क

चाय का स्वाद हर जगह एक जैसा हो, इसके लिए नीलेश जाधव ने खास तरीका अपनाया। सभी फ्रैंचाइजी आउटलेट्स में एक ही तरह की चाय पत्ती और गुड़ का इस्तेमाल होता है। इससे ग्राहकों को हर बार एक जैसा स्वाद मिलता है। यहां तक कि लॉकडाउन जैसी मुश्किल घड़ी में भी जाधव का चाय का बिजनेस मुनाफे में रहा। वह रोजाना 200 लीटर चाय बेचते थे।

पुष्पा 2 में अश्लील दृश्य... अल्लू अर्जुन के खिलाफ शिकायत

एक ओर जहां फिल्म पुष्पा 2 का बुखार लोगों के सिर से उतर नहीं रहा वहीं दूसरी ओर अल्लू अर्जुन के खिलाफ एक और शिकायत का मामला सामने आया है। फिल्म को लेकर साउथ एक्टर अल्लू अर्जुन सुर्खियों में बने रहने के साथ-साथ विवादों में घिर गए हैं। पहले भगदड़ में महिला की मौत की वजह से अल्लू अर्जुन गिरफ्तार हो गए वहीं अब छत्तीसगढ़ में अल्लू अर्जुन के खिलाफ एक शख्स ने शिकायत की है।

अल्लू अर्जुन के खिलाफ शिकायत

शख्स ने अल्लू अर्जुन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इसके साथ ही शख्स ने पुष्पा-2 के फिल्म डायरेक्टर और सेंसर बोर्ड के खिलाफ भी शिकायत दर्ज की है। दरअसल, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के रहने वाले श्रीराम सेना के अध्यक्ष महर्षि गौतम ने आज एसपी कार्यालय पहुंचकर फिल्म पुष्पा 2 के अभिनेता अल्लू अर्जुन और डायरेक्टर के खिलाफ कार्वाई की मांग की।

महर्षि गौतम ने फिल्म में दिखाए गए दृश्य और किरदारों पर आपत्ति जताते हुए इसे पुलिस का अपमान बताया है। वहीं गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में ज्ञापन पत्र सौंपा है।

पुष्पा-2 बेहद आपत्तिजनक

गृहमंत्री को लिख पत्र में शख्स ने कहा कि

फिल्म पुष्पा-2 में एक अधिकारी को बहुत ही गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है, जो कि ढ्ढक्क जैसे पद की गरिमा और उनकी छवि को धूमिल कर रहा है। यही नहीं, फिल्म में ढ्ढक्क अधिकारी को स्विमिंग पूल में गिराकर उसमें पेशाब करने जैसे दृश्यों का इस्तेमाल किया गया है, जो कि बेहद आपत्तिजनक है।

फिल्म पुष्पा 2 में किस दृश्य को लेकर विवाद हुआ है?

फिल्म पुष्पा 2ऱ्द रूल में एक अधिकारी को अपमानजनक तरीके से प्रस्तुत किया गया है, जिसमें उसे स्विमिंग पूल में गिराकर उसमें पेशाब करते हुए दिखाया गया है। यह दृश्य ढ्ढक्क पद की गरिमा और उनकी छवि को धूमिल करता है, जिसे लेकर आपत्ति जताई गई है।

अल्लू अर्जुन और फिल्म डायरेक्टर के खिलाफ क्या शिकायत दर्ज की गई है?

महर्षि गौतम, जो श्रीराम सेना के अध्यक्ष हैं, ने फिल्म पुष्पा 2 के अभिनेता अल्लू अर्जुन और फिल्म के निर्देशक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने फिल्म में दिखाए गए आपत्तिजनक दृश्यों और किरदारों पर आपत्ति जताते हुए पुलिस का अपमान बताया है। इसके अलावा, उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर इस मामले में कार्रवाई की मांग की है।

कौन सा संगठन और व्यक्ति इस विवाद में शामिल है?

इस विवाद में श्रीराम सेना के अध्यक्ष महर्षि गौतम शामिल हैं। उन्होंने फिल्म को लेकर पुलिस का अपमान और ढ्ढक्क अधिकारी की छवि धूमिल करने का आरोप लगाया है। महर्षि गौतम ने एसपी कार्यालय में शिकायत की और गृह मंत्री को ज्ञापन सौंपा है।

एचडीएफसी इर्गो ने रबी सीजन में मध्य प्रदेश के किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना लागू की

बड़वानी - भारत में निजी क्षेत्र की अग्रणी जनरल इंश्योरेंस कंपनी, एचडीएफसी इर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को मध्य प्रदेश सरकार ने रबी, 2024-25 सीजन के लिए अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, धार, झाबुआ, खंडवा और खरगोन जिलों में ऋणी और गैर-ऋणी किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) लागू करने के लिए अधिकृत किया है।

इन जिलों में इस योजना का क्रियान्वयन मध्य प्रदेश सरकार द्वारा योजना के अंतर्गत अधिसूचित निम्नलिखित फसलों के लिए किया जाएगा, जिनके लिए फसलों के अनुसार अंतिम तिथियाँ निम्नलिखित हैं- पीएमएफबीवाई योजना में किसानों को सूखा, बाढ़, अकाल, लैंडस्लाइड, चक्रवात, तूफ़ान, तूफ़ानी बारिश, सैलाब, कीटों, बीमारियों और अन्य बाहरी खतरों के कारण फसल को होने वाले नुकसान से बीमा की सुरक्षा मिलती है। फसल के नुकसान का आकलन करने के लिए, राज्य सरकार इस योजना के लिए अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसलों पर फसल कटाई प्रयोग (सीसीई) की योजना बनाकर संचालन करेगी। यदि संचालित किए गए सीसीई में पैदावार के आँकड़े कम पाए जाते हैं, तो माना जाएगा कि फसल का नुकसान हुआ है, और इस नुकसान के लिए किसान को क्लेम दिया जाएगा।

इस योजना में फसल चक्र के हर चरण के लिए बीमा कवरेज मिलेगा, जिसमें बुआई से पहले, कटाई और कटाई के बाद के जोखिम शामिल हैं। पीएमएफबीवाई योजना के अंतर्गत आने वाले सभी उत्पाद मध्य प्रदेश सरकार के कृषि विभाग से स्वीकृत हैं। अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, धार, झाबुआ, खंडवा और खरगोन जिलों के किसान अपने जिले में स्थित बैंक, कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) या फिर अधिकृत एचडीएफसी इर्गो एजेंट से संपर्क करके ऊपर सूचीबद्ध फसलों के लिए पीएमएफबीवाई योजना के अंतर्गत इंश्योरेंस कवरेज का लाभ पा सकते हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को नगर कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

चौरई। भारत के महान अर्थशास्त्री, देश में आर्थिक उदारीकरण के प्रणेता व पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर स्थानीय विधायक कार्यालय में रविवार को नगर कांग्रेस के द्वारा शोकसभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर उपस्थित सभी पदाधिकारीयो व कार्यकर्ताओं के द्वारा उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर पूर्व जनपद अध्यक्ष पूनमचंद शर्मा, नगर कांग्रेस अध्यक्ष धीरज खण्डेलवाल, पार्षद अमित चौरसिया एवं अधिवक्ता चंद्रजीत सिंह ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुये पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के द्वारा देशहित में लाई गई योजनाओं व उनके द्वारा किये गये कार्यों का उल्लेख करते हुये उनके कार्यकाल को देश का स्वर्णिम कार्यकाल बताया।

क्रिकेट स्पर्धा रोमांचक मुकाबले पर जीता रिलायंस छिंदवाड़ा

अमरवाड़ा। स्वर्गीय श्रीमती निर्मला ठाकुर की स्मृति में आयोजित नव चेतना क्लब के तत्व धान में लेदर बॉल क्रिकेट स्पर्धा का सफलता भरा 38 वा वर्ष 38 वर्ष का 4 दिन 4 दिन का जो मुकाबला आज मैदान पर खेला गया सतपुड़ा वेरियस और रिलायंस क्लब छिंदवाड़ा टॉस जीतकर छिंदवाड़ा ने बल्लेबाजी करने का फैसला लिया निर्धारित 15 ओवर पर 136 रन बनाए लक्ष्य रखा 137 रन का जिसका पीछा करने उतरी सतपुड़ा वॉरियर की टीम 15 ओवर पर 103 रन ही बना पाई और इस मैच को जीत लिया 33 रनों से रिलायंस छिंदवाड़ा ने मैन ऑफ़ द मैच रहे नितेश जिन्होंने तीन ओवर की गेंदबाजी में 20 रन दिए और पांच महत्वपूर्ण सफलताएं अर्जित की मैच केदौरान भारी संख्या पर मौजूद रहे दर्शक कल के मुकाबले सतपुड़ा टाइगर छिंदवाड़ा करीम स्पॉट नागपुर

नेमा समाज की बैठक11जनवरी को...

वर वधु परिचय सम्मेलन 12 जनवरी को राजस्थान के बांसवाड़ा में

छिंदवाड़ा। अ.भा.नेमा वणिक समाज के राष्ट्रीय प्रचार सचिव प्रभुनारायण नेमा ने बताया कि अ.भा.नेमा वणिक समाज की राष्ट्रीय कार्यकरिणी की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.पी नेमा की अध्यक्षता में 11 जनवरी को एवं दिनांक 12 जनवरी 2025 को नेमा समाज के विवाह योग्य युवक युवतियों का अखिल भारतीय परिचय सम्मेलन राजस्थान के बांसवाड़ा में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर जीवन साथी पुस्तिका का प्रकाशन किया जावेगा जिस में पंजीकृत विवाह योग्य बच्चों की जानकारी भी दी जावेगी। राष्ट्रीय स्तर पर हो रहे वर वधु परिचय सम्मेलन में शामिल होने और इसका लाभ लेने बड़ी संख्या में स्वजातीय नेमा बधुओं से अपील की गई है। छिंदवाड़ा जिले से राष्ट्रीय पदाधिकारी प्रभुनारायण नेमा, अरविंद नेमा,शेलेन्द्र नेमा एवं अमरवाड़ा से दिनेश नेमा राष्ट्रीय स्तर पर हो रहे वर वधु परिचय सम्मेलन में शामिल होंगे।

बॉलीवुड फिल्मो में सहायक अभिनेता पहुंचे मां हिंगलाज मंदिर

छिंदवाड़ा। अभिनेता विजय राज के साथ उनकी सुपुत्री एवं सह अभिनेता लोकेश तिलकधारी भी साथ मे रहे मौजूद मां हिंगलाज शक्तिपीठ अम्बाड़ा में पहुंचकर की पूजा-अर्चना एवं मांगा आशीर्वाद उसके बाद छिंदवाड़ा के लिए रवाना हुए अभिनेता इस अवसर पर मां हिंगलाज मंदिर में भाजपा नेता एवं जिला प्रतिनिधि विकास अग्रवाल अपने साथी आशी यादव, अभिषेक भारती, के साथ रहे ।

जिला औषधि कर्मचारी संघ का प्रथम अधिवेशन

छिन्दवाड़ा– भारतीय मजदूर संघ से सम्बद्ध जिला औषधि कर्मचारी संघ पंजीयन क्र.7129 का प्रथम जिला अधिवेशन आज दिन रविवार दिनांक 29/12/2024 को रघुवश लॉन के परिसर में स्थित जी.एम.मेडीकल एजेंसी सिवनी रोड़ छिन्दवाड़ा में सम्पन्न हुआ। इस सम्मेलन की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष श्री मनीष सदारंग द्वारा की गयी । भारतीय मजदूर संघ की परंपरा के अनुसार भगवान विश्वकर्मा भारत माता एवं राष्ट्र ऋषि एवं भारतीय मजदूर संघ के संस्थापक श्रद्धेय दत्तोपंत ठेंगड़ी के छायाचित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर सम्मेलन का प्रारंभ किया गया । सम्मेलन का प्रथम सत्र में संघ के निर्माण के उद्देश्य तथा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं का परिचय सदन में उपस्थित कार्यकर्ताओं से कराया गया। रामकुमार मालवी महामंत्री द्वारा मुख्य अतिथि एवं अतिथियों का परिचय कराया गया। जिला औषधि विक्रेता संघ की ओर से आशीष संभारे उपाध्यक्ष, अखिलेश अग्रवाल कोषाध्यक्ष ,दीपक वाजपेयी संगठन मंत्री विशेष रूप से शामिल हुये। जिला मंत्री अर्जुन भारतीप्रदेश कार्यसमिति सदस्य राकेश श्रीवास्तव के द्वारा भारतीय मजदूर संघ की रीति नीति पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजय सिंह प्रदेश अध्यक्ष भारतीय मजदूर संघ के द्वारा जिला औषधि कर्मचारी संघ के गठन एवं प्रथम जिला अधिवेशन तथा कार्यालय के शुभारंभ पर शुभकामना एवं बधाई प्रेषित की गयी ,साथ ही भारतीय मजदूर संघ की कार्यप्रणाली तथा रजिस्टर्ड यूनियन की कार्यपद्धति पर विस्तार से मार्गदर्शन किया गया ,साथ ही नवनिर्मित कार्यालय में व्यवस्था संबंधी तथा कार्यालय के संचालन के संघ के पदाधिकारियों का मार्गदर्शन किया गया ।

हॉट एयर बलून और पैरा मोटर का लुत्फ उठा रहे पर्यटक

तामिया एडवेंचर फेस्टिवल के दूसरे दिन सुबह से पर्यटकों में उत्साह

छिंदवाड़ा। जिला प्रशासन व मध्य प्रदेश टूरिज्म द्वारा आयोजित तामिया एडवेंचर फेस्टिवल के दूसरे दिन रविवार को सुबह से ही पर्यटक रोमांच का अनुभव करते रहे। मुंबई, नागपुर, भोपाल, जबलपुर और बालाघाट सहित छिंदवाड़ा के कोने-कोने से आए पर्यटकों ने हॉट एयर बलून, पैरा मोटर सहित अन्य एक्टिविटी का आनंद उठाया। पातालकोट के रातेड़ बेस में चल रहे एडवेंचर कैम्प में पर्यटकों के नाइट स्टे की भी व्यवस्था की गई है।तमिया एडवेंचर फेस्ट 2024 का आयोजन 28 दिसबंर 24 से 02 जनवरी 25 तक होगा। यहां पर हॉट एयर बेलून, पैरासेलिंग, जिप लाईन, एटीवी बाइक, रॉक क्लाईविंग, बर्मा ब्रिज, स्टार गेंजिग, रोप आपेस्टिकल, कमांडोनेट, रायफल सूटिंग/आर्चरी, बंजी इंजेक्शन, बंजी पेड, बुल राईड जैसी साहसिक गतिविधियां संचालित हो रहीं हैं।

''मन की बात'' कार्यक्रम का उद्देश्य देश-दुनिया और विकास की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है:संजय पटेल

छिंदवाड़ा। भाजपा कार्यालय छिंदवाड़ा में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अतिमहत्वपूर्ण मन की बात कार्यक्रम किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष संजय पटेल, युवा नेता एवं सफल उद्यमी अजय सक्सेना एवं जनभागीदार अध्यक्ष भारत घई की उपस्थिति में जिले में कौशल विकास के क्षेत्र में काम कर रहे विशेषज्ञों के साथ देखा गया।कार्यक्रम के उपरांत किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष संजय पटेल ने उपस्थितों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का विजन अंत्योदय है। श्री पटेल ने बताया कि अंत्योदय का अर्थ होता है, समाज के अंतिम पंक्ति में खड़ा वह व्यक्ति जिस सरकारी योजनाओं की जानकारी भी नहीं है, उसे लाभान्वित करना है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम वर्ष 2014 में प्रारंभ किया गया। ''मन की बात'' कार्यक्रम का उद्देश्य देश-दुनिया की जानकारी, विकास की योजनाओं की जानकारी समाज के अंतिम छोर पर खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की जनता में जनचेतना का संचार करना है।भाजपा युवा नेता एवं सफल उद्यमी अजय सक्सेना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन देश के विकास के लिए समर्पित है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत हर दिशा में विकास कर रहा है। उन्होंने कहा कि एक समय भारत दुनिया के लिए सबसे बड़ा बाजार था, लेकिन प्रधानमंत्री की सफल उद्योग नीति के कारण आज भारत दुनिया के बड़े निर्यातक देशों में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने स्किल डेवलपमेंट के कई कार्यक्रम प्रारंभ करवाए हैं, जिसका लाभ युवाओं को मिल रहा है। इस अवसर पर जिला सह मीडिया प्रभारी विक्रम सोनी, आईटी प्रभारी दीपक कोल्हे, नगर मंडल प्रभारी राकेश माइकल पहाड़े, उप सरपंच रोहनाकलां दिव्यकांत गोलू यादव, कृपाशंकर सूर्यवंशी, तरुण सोनी, मनीष निर्मलकर, जीवीआईटी स्किल डेवलपमेंट के संचालक अभिषेक वर्मा, डीके इंस्टिट्यूट से दौलत पटेल, सूर्या अकादमी एंड स्किल डेवलपमेंट के पंकज सूर्यवंशी सहित प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे

कलेक्ट्रेड केम्पस में बनेगी दुकानें

जिला पंचायत भवन के सामने से हटाई गांधी प्रतिमा

छिंदवाड़ा। जिला पंचायत कार्यालय के सामने गांधी प्रतिमा को हटाकर वहां दुकान एवं पदाधिकारियों के चेम्बर बनाये जाने का विरोध सर्वदलीय पार्टी ने किया है। इस संबंध में आज जिला प्रशासन को एक ज्ञापन सौंपा जावेगा। गांधीवादी विचारक रविन्द्रसिंह कुशवाह ने बताया कि गांधी की प्रतिमा हटाना उनका अपमान करना है। सबसे हस्यापद बात तो यह कि जिला पंचायत कार्यालय जो कलेक्ट्रेड कैम्पस में वहां पर दुकानों का निर्माण पूर्णतः अवैधानिक है। सर्वदलीय समिति ने जिला प्रशासन से मांग की है कि तुरन्त ही निर्माण कार्य रोका जावे इस संबंध में एकता परिषद के सुनिल चौरसया, वृक्षमित्र रविन्द्र कुशवाह, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष रविन्द यादव, अहिंसा पाटी की के राजेश तान्त्रिक, नमिता चौरसिया एन.सी.पी की जिला अध्यक्ष ने कहा कि वे जन अन्दोलन करेंगे।

डी.एच.एस. स्कूल छिंदवाड़ा में एक दिवसीय विज्ञान प्रशिक्षण संपन्न

छिन्दवाड़ा। एक दिवसीय विज्ञान प्रशिक्षण के अंतर्गत गत दिवस जिले के सभी विकासखंडों का जिला स्तरीय प्रशिक्षण डी.एच.एस.हिंदी मिडीयम स्कूल छिंदवाड़ा में प्रातः 9ः30 बजे से 5ः30 बजे तक चार कक्षों में कक्षा 9वीं और 10वीं का अध्यापन कराने वाले लगभग 300 विज्ञान शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीजी.एस.बघेल के निर्देशन में शिक्षकों को विद्यालयों के गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक कार्य कर विद्यार्थियों को आगामी वार्षिक परीक्षा 2025 के लिए तैयार किया जाना है, ताकि जिले के सभी विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम अव्वल आए। प्रशिक्षण के दौरान टी.एल.एम. और डिजिटल तकनीक स्मार्ट क्लास का उपयोग करके पाठ्यक्रम को विभिन्न आयामों से विद्यार्थियों के सीखने की प्रक्रिया को प्रोत्साहित किया गया । इस प्रकार के विषयगत प्रशिक्षण से शिक्षकों को नई ऊर्जा के साथ अपने शैक्षिक कालखण्ड में रेमेडियल कक्षाओं का संचालन करने के लिए प्रेरित किया गया।

आर्ट ऑफ लिविंग के हेप्पीनेस शिविर

योगा, प्राणायाम, ध्यान, मेडिटेशन, के माध्यम से लोगों को तनाव मुक्त रहने के टिप्स बताए

सासर। सासर म आट आफ लिावग द्वारा हप्पानस शिविर का आयोजन किया गया जिसका समापन धूमधाम से किया गया शिविर,में योगा, प्राणायाम, ध्यान, मेडिटेशन, के माध्यम से लोगो को तनाव मुक्त रहने के टिप्स बताए गए....द आर्ट ऑफ लिविंग कई स्वयं के विकास के लिए तनाव निष्कासन कार्यक्रम का आयोजन करती है जो लोगों को जीवन की चुनौतियों का लालित्यपूर्ण रूप से सामना करने की शक्ति प्रदान करता है। यह कार्यशाला में भाग लेने वालों को ऐसी निपुणता और तकनीकों से सुसज्जित किया जाता है जिससे उनके जीवन के स्तर में बढ़ावा होता है।दिन प्रतिदन के तनाव और खिंचाव के बीच खुश रहकर जीवन का आनंद लेना ही आर्ट ऑफ लिविंग है। यह एक तकनीक है, जिसके माध्यम से तनाव और चिंताओं को दूर कर जीवन में खुशी और आनंद लाने की कला सीखी जाती है। इस अवधारणा की लोकप्रियता का पता इस बात से ही लगाया जा सकता है कि अब इसे कॉरपोरेट लेवल पर भी अपनाया जा रहा हैरविशंकर

विधायकों के प्रयासों से दोनों क्षेत्रों को मिली बिजली के क्षेत्र में सौ गात

सिरोंज।विद्युत वितरण कम्पनी के द्वारा नवीन विद्युत केंद्र बनाने के आदेश जारी किए हैं। विधायक उमाकांत शर्मा ने अपने विधानसभा क्षेत्र के आनंदपुर मैं नवीन केंद्र बनवाने की मंजूरी करवाई है। इसके बाद कई ग्रामों को बिजली की कटौती की समस्या से राहत मिलेगी केंद्र बनने की जानकारी लगते ही समर्थकों में हर्ष की लहर दौड़ गई है। किसानों को भी सिंचाई के लिए बिजली ट्रिपिंग की समस्या से राहत मिलेगी। इसी तरह कार्रवाई विधायक हरि सिंह सप्रे ने पथरिया को नवीन विद्युत वितरण केन्द्र बनवाने की स्वीकृत कराई है इसके बाद यहां के ग्रामीणों को भी केंद्र बनाने के उपरांत काफी फायदा होग क्षेत्र के कार्यकर्ताओं और लोगों ने भी विधायक का आभार वक्त किया है। वही आनंदपुर के अंतर्गत 99 ग्रामों पथरिया अंतर्गत 76 ग्रामों को लाभ मिलेगा। सहायक यंत्री, कनिष्ठ अभियंता, लाइनमैन सहित स्टाफ में बढ़ोत्तरी होगी। जिससे विद्युत उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधाऐं दी जा सकेगी।

शेषराव यादव छिंदवाड़ा एवं वैशाली महाले पांढुर्ना से अध्यक्ष घोषित हो सकते है ?

बाकी दावेदारों की जन्मकुण्डली में कही न कही दोष है

गोविन्द चौरसिया

छिंदवाड़ा। जिला भाजपा अध्यक्ष की घोषणा आज या कल हो जावेगी नये वर्ष में भाजपा को पूर्णकालिक अध्यक्ष मिल जायेगा। छिंदवाड़ा से शेषराव यादव एवं पांढुर्ना से श्रीमती वैशाली महाले प्रबल दावेदार है, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अनुसार ये दोनों अध्यक्ष भाजपा के लिए शुभंकर है, क्योकि पहली बार भाजपा ने लोकसभा चुनाव जीता है।दोनों की अध्यक्षों को यह उम्मीद है पार्टी नियमित अध्यक्ष बनायेगी, भाजपा ने जिलाध्यक्ष बनाने हेतु कुछ शर्ते रखी है, जिसके दोनों अध्यक्ष फिट बैठते है, जिले के पर्यवेक्षकों ने रायशुमारी भी कर ली है, दोनों जिलों में अध्यक्ष बनने की लम्बी लाईन है। पांढुर्ना में वैशाली महाले के अलावा, राहुल मोहोड़ व राजू परमार दावेदार है, राहुल मोहोड़ की दावेदारी कमजोर हो गई क्योकि उनकी उम्र कम है, राजू परमार पूर्व में जिलाध्यक्ष रह चुके है। बताया जाता है प्रदेश में 10 महिलाओं को जिलाध्यक्ष बनाना है वैशाली महाले वर्तमान में पांढुर्ना की एक मात्र जिला भाजपा की अध्यक्ष है इसीलिए ये प्रबल दावेदार है। छिंदवाड़ा से शेषराव यादव प्रबल दावेदार है, इसके अलावा जितने भी दावेदार है उनके पीछे कुछ न कुछ कारण है जिससे वे जिलाध्यक्ष नहीं बन सकते। जितने दावेदार है उनकी जन्मपत्री विरोधियों ने निकाल ली है। शेषराव यादव भाजपा के पुराने कार्यकर्ता है, इन्होने सुन्दरलाल पटवाजी को सांसद बनवाया था। जिले में गुटबाजी है जो जग जाहिर है सबको पता है कि कौन-किस गुट का है। शेषराव यादव 60 वर्ष के है एवं दोनों गुट में सामंनजस्य बनाकर चलेंगे, जिससे भाजपा संगठन सुचारू रूप से चल सके। बताया जाता है दोनों ही अध्यक्ष भाजपा के लिए शुभंकर है को भाजपा की कमान मिल सकती है।

कपरवाड़ी, खापाकला, सरोरा और पठरानाई में सीएम जनकल्याण शिविर

छिन्दवाड़ा। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की मंशा के अनुरूप प्रत्येक पात्र हितग्राही को शासकीय योजना से लाभान्वित करने के लिए 11 दिसंबर 2024 से मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान जिले में प्रारंभ हो गया है, जो 26 जनवरी 2025 तक चलेगा। अभियान के अन्तर्गत जिले के सभी अनुविभागों की ग्राम पंचायतों और नगरीय वार्डो में जिला प्रशासन द्वारा तैयार कैलेंडर के अनुसार निर्धारित अलग-अलग तिथियों में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जो 11 दिसम्बर से प्रारंभ हो गया है। सीएम जनकल्याण शिविरों के माध्यम से विभिन्न विभागों की हितग्राही मूलक योजनाओं की जानकारी से आमजन को अवगत कराया जा रहा है और पात्र हितग्राहियों का चिन्हांकन कर उन्हें लाभान्वित किया जा रहा है। कई आवेदनों का त्वरित निराकरण शिविर के दौरान ही किया जा रहा है।

दिव्यांग विद्यार्थीयों को कराया गया शैक्षणिक भ्रमण

छिन्दवाड़ा। जिला शिक्षा अधिकारी जी.एस.बघेल के मार्गदर्शन में गत दिवस जिला स्तर पर दिव्यांग विद्यार्थीयों के लिये प्रतियोगिता में चयनित कक्षा 9वीं से 12वीं में अध्यनरत दिव्यांग विद्यार्थीयों को शैक्षणिक भ्रमण के लिये रामेश्वरम धाम सिहोरामाल, माचागोरा डैम, सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर, आदिवासी संग्रहालय छिंदवाड़ा ले जाया गया। जिसमें कुल 12 दिव्यांग विद्यार्थी एवं 06 शिक्षक शामिल हुए। इसके अंतर्गत जिला समावेशी शिक्षा समन्वयक श्रीमती मीनाक्षी श्रीवास, नोडल शिक्षक मुरलीधर राव सहित स्पेशल एजुकेटर सुश्री कृति तिवारी, राजकुमार डेहरिया, श्रीमती शीतल मर्सकोले व राकेश विश्वकर्मा उपस्थित थे। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत शिक्षा विभाग की ओर से वाहन व्यवस्था, स्वल्पाहार, भोजन की समुचित व्यवस्था की गई । भ्रमण का शुभारंभ जिला शिक्षा अधिकारी बघेल, ए.डी.पी.सी. गिरीश शर्मा, साबिर फारूकी एवं सीएम राईज गुरैया के प्राचार्य अब्दुल हक खान के द्वारा किया गया ।

गोहरगंज रेंज अंतर्गत बाघ का चरवाहे पर हमला

औबेदुल्लागंज संवाददाता(सुरेश केवट)– गौहरगंज के समीप धामधूसर में चारवाहे पर बाघ ने दोपहर लगभग 03 बजे हमला कर दिया। मौके पर पांच से सात लोगों द्वारा चिल्लाने एवं बाघ को भगाने का प्रयास किया गया, जिससे व्यक्ति की जान बच सकी। सूत्रों की माने तो, महेश पाल, पिता बबूलाल पाल (40) निवासी धामधूसर ने खुदको सँभालते हुए शिथिल कर लिया था, जिससे बाघ द्वारा उसे मृत समझकर जंगल की ओर चला गया।

बता दें कि तारानगर के तालाब के सामने एक जंगल है, जहाँ चरवाहे मवेशी आदि चराने जाते हैं। उक्त तालाब के उस ओर जंगल है एवं वहीं, समीप में बाघ का होना आसपास के ग्रामीणों के लिए खतरनाक हो सकता है। बाघ आसपास है तो, वन आमले को उसे रिस्कयू कर वन विहार या उसे सुरक्षित स्थान पर ले जाना चाहिए। इंसानों के साथ राष्ट्रीय पशु कि जान का भी सवाल खड़ा होता है।

इनका कहना–

हमने इलाज के लिए भेज दिया है।यह बकरियां चराने गये थे तभी, बाघ ने हमला किया है।

अधिक छोटे नहीं आईं हैं आगे हम दिखवाते हैं।

हेमंत रैकवार (वन मंडल अधिकारी)

ग्राम शीलादेही बकरी पालक के फार्म का निरीक्षण

बकरी पालन एवं मुर्गी पालन से दोहरा लाभ प्राप्त कर रहे हितग्राही

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ.एच.जी.एस.पक्षवार ने एन.एल.एम. योजना के अंतर्गत आज जिले के विकासखंड परासिया के ग्राम शीलादेही के किसान एवं बकरी पालक श्री अनिल कुमार पवार के गोट फार्म का निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान 143 सिरोही नस्ल की बकरी एवं 21 किड बकरी के बच्चे तथा 5 ब्रीडर बकरा सिरोही नस्ल के उपलब्ध पाए गए। श्री अनिल कुमार पवार के द्वारा बकरी पालन बहुत ही अच्छी तरह से किया जा रहा है तथा उनके द्वारा बकरी पालन के साथ ही देसी एवं कड़कनाथ मुर्गी पालन स्वयं की लागत से किया जा रहा है। श्री अनिल कुमार पवार ने बताया कि 22000 रुपए प्रति माह मुर्गा-मुर्गी बेचकर, गोट फार्म के अलावा अतिरिक्त आय अर्जित हो रही है। यदि किसी को भी कड़कनाथ एवं देसी मुर्गा-मुर्गी खरीदना है, तो श्री अनिल पवार के फार्म हाउस से क्रय कर सकते हैं। बकरियों के बच्चे बड़े होने पर छिंदवाड़ा जिले के जितने भी एन.एल.एम. योजना के अंतर्गत प्रकरण स्वीकृत हुए हैं, उनको बकरी के बच्चे प्रदाय करने के लिये श्री अनिल पवार को सलाह दी और ठंड में बकरियों को किस प्रकार बचाया जा सकता है, इसकी आवश्यक जानकारी उप संचालक डॉ.पक्षवार के द्वारा हितग्राही को दी गई। उप संचालक डॉ.पक्षवार द्वारा अपील की गई है कि जिस तरीके से श्री अनिल कुमार पवार के द्वारा दोहरा लाभ प्राप्त किया जा रहा है बकरी पालन एवं मुर्गी पालन इस प्रकार अन्य कृषक भी बकरी पालन व मुर्गी पालन करके अधिक आय प्राप्त कर सकते हैं।एन.एल.एम. योजना के तहत बकरी फार्म और स्व-वित्तपोषित पोल्ट्री फार्म से प्रेरणा- उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ.पक्षवार द्वारा हाल ही में अनिल कुमार पवार के बकरी फार्म का दौरा किया गया, जो राष्ट्रीय पशुधन मिशन (एन.एल.एम.) योजना के तहत संचालित हो रहा है। यह फार्म अपनी बेहतरीन प्रबंधन प्रणाली और पशुओं की देखभाल के लिए सराहनीय है। फार्म में 143 मादा बकरियां, 21 बच्चे और 5 नर प्रजनक बकरे हैं। यह फार्म ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने और पशुपालन को बढ़ावा देने का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

इसके अलावा श्री अनिल कुमार पवार ने एक स्व-वित्तपोषित पोल्ट्री फार्म भी शुरू किया है, जिससे वे हर महीने लगभग 22,000 की आय अर्जित कर रहे हैं। यह पहल न केवल उनके आर्थिक सशक्तिकरण का उदाहरण है, बल्कि अन्य ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में प्रेरित भी कर रही है। सरकारी योजनाओं और व्यक्तिगत प्रयासों का यह संयोजन ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आय के साधन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

आरोपीगणों को 10 साल सश्रम कारावास एवं जुर्माना

छाती में पत्थर मारकर की थी बुजुर्ग की हत्या ग्राम बांकामुकासा, चौकी सिंगोड़ी, थाना अमरवाड़ा का मामला

अमरवाड़ा। अपर सत्र न्यायालय अमरवाड़ा के अतिरिक्त अपर सत्र न्यायाधीश श्रीमान संदीप कुमार पाटिल द्वारा गत दिनांक थाना अमरवाड़ा के अपराध क्रमांक 223/2022, सत्र प्रकरण क्रमांक 10/2022, दफा 304,(2) भादवि अंतर्गत ग्राम बांकामुकासा, चौकी सिंगोड़ी थाना अमरवाड़ा निवासी *सोनू उर्फ संतोष यदुवंशी, बबली पति सोनू उर्फ संतोष यदुवंशी एवं पिंकू उर्फ रविंद्र यदुवंशी* को *10 साल सश्रम कारावास एवं जुर्माने* से दंडित किया गया है।

प्रकरण मे सरकार की ओर से पैरवी कर रहे अपर लोक अभियोजक अखिल सोनी* द्वारा घटना के सम्बंध में बताया गया कि दिनांक 23/03/2022 को चौकी सिंगोड़ी को सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम बांका मुकासा में लड़ाई झगड़े के चलते खूबचंद चंद्रवंशी को गंभीर हालत में अमरवाड़ा अस्पताल ले जाया गया है जहां पर चिकित्सक द्वारा खूबचंद चंद्रवंशी को मृत घोषित कर दिया गया था, थाना अमरवाड़ा द्वारा खूबचंद चंद्रवंशी की मृत्यु के संबंध में मर्ग कायमी कर मर्ग जांच प्रारंभ की गई, पुलिस द्वारा शव का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के पश्चात मृतक खूबचंद के शव का पी.एम. कराया गया।

मर्ग जांच के दौरान प्रत्यक्षदर्शी साक्षियों के कथन लेख किए जाने पश्चात पुलिस को ज्ञात हुआ कि आरोपी गण द्वारा दिनांक 23/ 03/ 2022 को सुबह करीब 8.30 बजे मृतक के परिवार के बच्चे बांकामुकासा में घर के पीछे बाड़ी में गेंद खेल रहे थे, वह गेंद आरोपीगण की बड़ी में चली गई थी, इसी बात पर से आरोपीगण बच्चों को गाली गुप्तार कर रहे थे और मृतक परिवार के सदस्यों साथ लड़ाई झगड़ा मारपीट किये थे, आरोपी सोनू उर्फ संतोष यदुवंशी द्वारा खूबचंद को सीने में 4 किलोग्राम बजनी पत्थर छाती में मार कर हत्या कारित की गई थी जिससे खूबचंद की मृत्यु हो गई थी। पुलिस द्वारा आरोपीगणो के विरुद्ध खूबचंद की हत्या का मामला पंजीबद्ध किया गया, हत्या में प्रयुक्त पत्थर जप्त किया गया एवं अन्य साक्ष्य संकलित कर पुलिस थाना अमरवाड़ा द्वारा अभियोग पत्र पूर्ण कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

सरकार की ओर से पैरवी कर रहे अपर लोक अभियोजक अखिल सोनी द्वारा मामले को न्यायालय के समक्ष रखा गया। तमाम प्रत्यक्षदर्शी गवाहों के बयान और साक्ष्य के आधार पर अभियोजन अपना मामला प्रमाणित करने में सफल रहा एवं आरोपीगणों को दोष सिद्ध साबित किया गया। न्यायाधीश श्री पाटिल द्वारा आरोपीगणों को दफा 304(2) भादवि. में 10 साल सश्रम कारावास एवं जुर्माने से दंडित किया गया।

प्रदेश में नये साल पर कड़ाके की ठंड रहेगी, शीतलहर चलेगी

भोपाल। मध्यप्रदेश में नए साल के पहले दिन यानी, 1 जनवरी से कड़ाके की सर्दी का दौर फिर शुरू हो जाएगा। बर्फीली हवा की वजह से पूरा एमपी ठिठुरेगा। सबसे ज्यादा असर उज्जैन और ग्वालियर-चंबल में दिखाई देगा। इन्हीं जगहों पर 30 और 31 दिसंबर को कोहरा भी रहेगा। जबलपुर, रीवा, शहडोल, सागर संभाग में भी कोहरा देखने को मिलेगा। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और साइक्लोनिक सकुर्लेशन के एक्टिव होने से प्रदेश में 2 दिन तक तेज बारिश का दौर रहा। भोपाल, मुरैना, अशोकनगर, नीमच, शाजापुर, बैतूल, रतलाम, ग्वालियर, आगर-मालवा, मंदसौर, देवास, नर्मदापुरम, सीहोर, रायसेन, उज्जैन, विदिशा, खंडवा, राजगढ़, हरदा, इंदौर, श्योपुर, शिवपुरी, भिंड, दतिया, खरगोन, बड़वानी, गुना, अलीराजपुर, धार, सागर, पन्ना, छतरपुर, दमोह, कटनी, छिंदवाड़ा, जबलपुर, नरसिंहपुर, निवाड़ी, टीकमगढ़, सतना, सिवनी, रीवा समेत कई जिलों में बारिश-आंधी चली। कई जगहों पर ओले भी गिरे। रविवार को मौसम खुल गया, लेकिन टेम्परेचर में गिरावट देखने को मिली। वहीं, कई जगहों पर कोहरा भी रहा। अगले 2 दिन ऐसा ही मौसम रहेगा। फिर ठंड का असर बढ़ जाएगा।

अगले 4 दिन ऐसा रहेगा प्रदेश भर का मौसम

30 दिसंबर को ग्वालियर, भिंड, मुरैना, दतिया, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, नीमच, मंदसौर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर, दमोह, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, जबलपुर, डिंडौरी, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, कटनी, पन्ना, सतना, सीधी, मऊगंज, रीवा एवं सिंगरौली में हल्के से मध्यम कोहरा रहेगा। 31 दिसंबर को ग्वालियर, भिंड, मुरैना, दतिया, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, नीमच और मंदसौर में कोहरा रहेगा। 1 जनवरी को नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, शाजापुर, श्योपुर, मुरैना में शीतलहर चलेगी। 2 जनवरी को नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, शाजापुर, श्योपुर, मुरैना में शीतलहर चलने का अलर्ट है।

जनवरी में 20-22 दिन चल सकती है शीतलहर

मौसम विभाग के अनुसार, जनवरी में 20 से 22 दिन तक शीतलहर और कोल्ड डे का असर रह सकता है। शुरुआती दो दिन में ग्वालियर, चंबल और उज्जैन संभाग के जिलों में शीतलहर का असर देखने को मिलेगा। इसके बाद पूरे प्रदेश में असर बढ़ जाएगा।

6.2 डिग्री लुढ़का पारा, उज्जैन सबसे ठंडा

मध्यप्रदेश में बारिश का दौर थम गया है। अब दिन-रात के तापमान में गिरावट होने लगी है। शनिवार-रविवार की रात कई शहरों में पारा लुढ़का। वहीं, रविवार को दिन के तापमान में 6.2 डिग्री तक की गिरावट देखने को मिली। यह गिरावट धार में हुई। यहां तापमान 20 डिग्री दर्ज किया गया। उज्जैन में पारा सबसे कम 19.2 डिग्री रहा। यहां दिन-रात के तापमान में 5 डिग्री से भी कम अंतर देखने को मिला। रात में 14.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

मौसम विभाग के अनुसार, दमोह में 22.2 डिग्री, खजुराहो में 21.4 डिग्री, नौगांव-धार में 20 डिग्री, रीवा में 22.6 डिग्री, सतना-गुना में 22 डिग्री, सीधी में 22.4 डिग्री, टीकमगढ़ में 20.7 डिग्री, उमरिया में 22.7 डिग्री रहा। पचमढ़ी में 20.8 डिग्री दर्ज किया गया। रतलाम में पारा 20.5 डिग्री, शिवपुरी में 21.2 डिग्री रहा। बड़े शहरों में भोपाल में 22.4 डिग्री, ग्वालियर में 20.6 डिग्री, इंदौर में 21.4 डिग्री और जबलपुर में 23.4 डिग्री दर्ज किया गया।

डीए के एरियर को लेकर प्रदेश के कर्मचारियों की नाराजगी बढ़ी

भोपाल। राज्य सरकार ने पहले ही प्रदेश के 7 लाख 50 हजार से अधिक कर्मचारियों को डीए (महंगाई भत्ता) देने में 10 महीने लगा दिए और अब एरियर देने में खुद तय समय सीमा का पालन नहीं कर रही है। डीए के एरियर की दिसंबर में मिलने वाली पहली किस्त कर्मचारियों को अब तक नहीं दी गई है। जबकि दिसंबर के अब दो दिन ही शेष हैं। इसे लेकर कर्मचारियों में नाराजगी व्याप्त है। वे कहते हैं कि ऐसा करना सरकार का शगल बन गया है। पहले तो समय से डीए-डीआर नहीं देती है और बाद में एरियर की किस्तें समय से नहीं दी जाती है।ये व्यापारियों जैसा व्यवहार है, जो ठीक नहीं है। अब 31 दिसंबर से पहले पहली किस्त दे दे।

राज्य सरकार ने जनवरी 2024 से मिलने वाला 4त्न डीए दिवाली के ठीक पहले 28 अक्टूबर को दिया। तब कहा गया कि 9 माह (सितंबर तक) का एरियर दिया जाएगा और अक्टूबर का डीए वेतन में मर्ज कर दे देंगे पर ऐसा नहीं हुआ। दिवाली के कारण 25 अक्टूबर से ही वेतन वितरण शुरू हो गया था। कर्मचारियों को उम्मीद थी कि राज्य सरकार डीए अलग से देगी पर ऐसा भी नहीं हुआ। आखिर कर्मचारियों को अक्टूबर से बढ़े हुए डीए का लाभ ही नहीं मिला। अब 10 महीने का डीए बाकी हो गया। जिसे 4 किस्तों में दिया जाना है। वित्त विभाग ने अपने आदेश में साफ लिखा है कि दिसंबर 2024 में डीए की पहली किस्त दे दी जाएगी। फिर भी कर्मचारी महीनेभर से पहली किस्त का इंतजार कर रहे हैं।

कोषालय की वेबसाइड का भी अपना ही खेल है। ऐसे मौकों पर वेबसाइड काम नहीं करती है। अब भी यही हो रहा है। कहने को तो सरकार दिसंबर में डीए की पहली किस्त दे रही है, पर कोषालय की वेबसाइड खुल ही नहीं रही है, तो बिल कैसे लेगें। जब बिल ही नहीं लगेंगे, तो भुगतान कैसे होगा। कर्मचारी नेता कहते हैं कि यह भी जांच का विषय है कि जब कर्मचारियों को आर्थिक लाभ देने की बारी आती है, वेबसाइड ठप हो जाती है। इसकी तो जांच होनी चाहिए।

एक्सपर्ट की निगरानी में 337 टन जहरीले कचरे की पैकिंग शुरू

- **12 कंटेनर से रात में यूका भोपाल से पीथमपुर भेजेंगे**

भोपाल। यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के गोदाम में रखे 337 मीट्रिक टन जहरीले कचरे की पैकेजिंग एक्सपर्ट की निगरानी में की जा रही है। इसे 12 कंटेनर में भरकर देर रात 250च्यद्व का ग्रीन कॉरिडोर बनाकर भोपाल से पीथमपुर ले जाया जाएगा। उधर, पीथमपुर में कचरे को जलाए जाने को लेकर प्रदर्शन हो रहा है। यहां के कई लोग दिल्ली रवाना हुए हैं। जहां वे दिल्ली में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे।

रविवार को एक्सपर्ट्स की मौजूदगी में कचरे को 12 कंटेनर में भरने की प्रोसेस शुरू हुई। हालांकि देर रात तक कचरा पीथमपुर के लिए रवाना नहीं किया जा सका। इस पूरी प्रक्रिया में कैंपस के अंदर जाने की मनाही है। 200 मीटर के दायरे को सील कर दिया है। रास्ते भी बंद किए गए हैं। कैंपस में 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात हैं। वहीं, कुल 400 से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारी, एक्सपर्ट्स और डॉक्टरों की टीम इस काम में जुटी है। गैस कांड के 40 साल बाद पीथमपुर इंडस्ट्रियल वेस्ट मैनेजमेंट (रामकी) कंपनी के एक्सपर्ट्स की मॉनिटरिंग में ये कचरा 12 कंटेनर ट्रकों में भरा जा रहा है।

जहरीला कचरा भरते हुए विशेष सावधानी बरती जा रही है। हवा में यूनियन कार्बाइड गैस फैलने के कारण 1984 में 5 हजार से अधिक मौतें हुई थी। इसीलिए यूका परिसर में 3 जगहों पर एयर क्वालिटी की मॉनिटरिंग के लिए उपकरण लगाए हैं। इनसे पीएम 10 व पीएम 2.5 के साथ नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाई ऑक्साइड आदि की जांच की जा रही है। कचरा जिस स्थान पर रखा है, उस इलाके की धूल भी कचरे के साथ जाएगी। यदि कहीं कचरा गिरा है तो उस जगह की मिट्टी को भी पीथमपुर ले जाया जाएगा। इस मिट्टी और धूल की भी टेस्टिंग होगी। जांचा जाएगा कि कहीं मिट्?टी भी तो जहरीली नहीं हुई।

नवनीत और नरहरि बनेंगे प्रमुख सचिव

19 अधिकारी सेक्रेटरी और 33 एडिशनल सेक्रेटरी पद पर होंगे प्रमोट

भोपाल। मध्य प्रदेश में आईएएस अधिकारियों की पदोन्नति के लिए मुख्य सचिव अनुराग जैन के अध्यक्षता में आज विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक हो रही है। है। इसके लिए सामान्य प्रशासन कार्मिक विभाग ने पूरी तैयारी कर ली है। माना जा रहा है कि आज डीसी के बाद कल शाम तक पदोन्नति आदेश जारी हो जाएंगे और 1 जनवरी 2025 से 54 अधिकारी प्रमुख सचिव (पीएस), सेक्रेटरी और एडिशनल सेक्रेटरी बन जाएंगे ।

प्रमुख सचिव पद पर दो अधिकारी नवनीत मोहन कोठारी और पी नरहरि पदोन्नत होंगे। यह दोनों अधिकारी 2001 बैच के आईएएस अधिकारी है। सुपर टाइम स्केल यानी सचिव पद पर 2009 बैच के 19 अधिकारी प्रमोट होंगे। इन अधिकारियों के नाम है- प्रियंका दास, अविनाश लवानिया, तरुण कुमार पिथोड़े, सूफिया फारूकी अली ,अभिषेक सिंह,धनराजू एस, इलैया राजा टी, प्रीति मैथिल, अजय गुप्ता, अमित तोमर, तेजस्वी एस नायक, श्रीकांत भनोट, शैलबाला मार्टिन, वंदना वैद्य, अनुभा श्रीवास्तव, प्रबल सिपाहा, सत्येंद्र सिंह, मनीष सिंह और अमरपाल सिंह। शशि भूषण सिंह भी इसी बैच के आईएएस अधिकारी हैं लेकिन वे 31 दिसंबर को ही रिटायर हो रहे हैं। पता चला है कि सुप्रीम कोर्ट की नई गाइडलाइंस के मुताबिक उन्हें काल्पनिक प्रमोशन दिया जा सकता है।

इसके अलावा 33 अधिकारी एडिशनल सेक्रेटरी के पद पर प्रमोट होंगे। यह सभी अधिकारी 2012 बैच के हैं। उनके नाम इस प्रकार हैं- पंकज जैन, अजय कटेसरिया, निधि निवेदिता, चंद्र मोहन ठाकुर, रोहित सिंह,सोमवंशी, प्रवीण सिंह, अनुराग वर्मा, प्रतिभा पाल, फटिंग राहुल अरदास, राजीव रंजन मीणा, बाकी कार्तिकेय,दीपक आर्य,हर्षिका सिंह, आशीष भार्गव, अवधेश शर्मा, कुमार पुरुषोत्तम, सुभाष कुमार द्विवेदी, रत्नाकर झा, तरुण भटनागर, नरेंद्र कुमार जैन, कृष्णदेव त्रिपाठी, अरविंद कुमार दुबे, नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी, केदार सिंह, राजेश बाथम, दिनेश कुमार मौर्य,विवेक चौधरी, राजेश कुमार ओगारे ,अरुण कुमार परमार और भारती जाटव ओगारे। प्राप्त जानकारी के अनुसार फिलहाल जो अधिकारी जहां पदस्थ है, पदोन्नति के बाद भी फिलहाल उन्हें वही पदस्थ किया जाएगा।

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि में स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के निर्माण में भ्रष्टाचार के विरोध में आज एबीवीपी ने धरना दिया और निर्माण की उच्च स्तरीय जांच की मांग की।

लोकायुक्त पुलिस में 6 इंस्पेक्टर, 28 पुलिसकर्मी नियुक्त

भोपाल। भोपाल में आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के ठिकानों पर लोकायुक्त पुलिस की कार्रवाई को लेकर उठ रहे कई सवालों के बीच लोकायुक्त संगठन में बड़ा फेरबदल हुआ है। बताया जा रहा है कि कार्रवाई लीक होने के चलते ये बदलाव किया गया है।

लोकायुक्त संगठन में लंबे समय से पदस्थ डीएसपी, निरीक्षक और आरक्षकों को हटाकर नई पोस्टिंग की गई है। लोकायुक्त संगठन में पदस्थ 4 डीएसपी, 6 निरीक्षक और 24 आरक्षकों को तीन दिन पहले हटाया था। इसके बाद पुलिस मुख्यालय ने रविवार को लोकायुक्त संगठन में 6 इंस्पेक्टर्स की पदस्थापना की है। इसके साथ ही 28 पुलिसकर्मियों को भी लोकायुक्त संगठन में नियुक्त किए जाने के आदेश जारी किए हैं।

तीन निरीक्षक ईओडब्ल्यू में पदस्थ- पुलिस मुख्यालय से जारी आदेश में तीन पुलिस निरीक्षकों को ईओडब्ल्यू में नियुक्त किया गया है। इनमें संजय शुक्ला, योगेंद्र सिसोदिया और पंकज द्विवेदी शामिल हैं। ये सभी जीआरपी इंदौर और इंदौर पुलिस बल में तैनात थे।

इन उप पुलिस अधीक्षकों को हटाया था लोकायुक्त से- जिन उप पुलिस अधीक्षकों को लोकायुक्त संगठन से पुलिस मुख्यालय भेजा गया, उनमें प्रवीण नारायण बघेल (इंदौर), बसंत श्रीवास्तव (उज्जैन), राजेश खेड़े (रीवा) और प्रमेंद्र कुमार सिंह (रीवा) शामिल हैं।

भोपाल में मेट्रो फेज-2 के लिए अल्पना तिराहे से रेलवे स्टेशन के बीच 29 दुकानें तोड़ी

भोपाल। भोपाल मेट्रो की ऑरेंज लाइन के दूसरे फेज के लिए सोमवार सुबह 29 दुकानें तोड़ दी गई। अल्पना तिराहे से भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-6 तक यह कार्रवाई की गई। कुल 40 दुकानें टूटेगी। वहीं, ईरानी डेरा के आसपास करीब 30 अतिक्रमण हटेगा। मेट्रो का दूसरा फेज सुभाष नगर डिपो से करोंद तक कुल 8.77 किमी है। यह काम भी दो हिस्से में होगा। दोनों पर कुल 1540 करोड़ रुपए खर्च होंगे। मिट्टी की टेस्टिंग, डिजाइन समेत अन्य काम हो चुके हैं। अब अतिक्रमण हटाया जा रहा है। ताकि, सिविल के काम जल्दी शुरू हो सकें। कुछ दिन पहले पुल बोगदा से पक्की दुकानें हटाई गई थीं। वहीं, सोमवार सुबह रेलवे स्टेशन के आसपास कार्रवाई की गई। कार्रवाई से नाराज व्यापारियों का आरोप है कि, मामले में हाईकोर्ट में आज सुनवाई होनी थी, लेकिन इससे पहले ही प्रशासन ने कार्रवाई कर दी। जिला प्रशासन उन्हें विस्थापित करें और उचित मुआवजा दें। ताकि, वे परिवार का भरण-पोषण और व्यापार कर सके।

नर्मदा आइस फैक्ट्री की जमीन पर 50 साल से कर रहे थे व्यापार- प्लेटफॉर्म नंबर-6 के सामने स्थित नर्मदा आइस फैक्ट्री के भूखंड पर 40 दुकानें थीं। जहां व्यापारी पिछले 50 वर्ष से व्यापार कर रहे थे। इन दुकानों को हटाने की कार्रवाई की गई है। जिन दुकानदारों ने अपना सामान नहीं हटाया था, उनका सामान जब्त कर लिया गया।

साल 2024 रहा महंगाई के नाम, आटा, दाल, तेल, मसालों और सब्जियों ने बिगाड़ा बजट

भोपाल। वर्ष 2024 में जैसे-जैसे दिन बीते रसोई पर खर्च बढ़ता रहा। यह खर्च उन्हीं वस्तुओं को खरीदने में हुआ, जिससे कुछ दिनों पहले तक कम दरों में खरीदा जाता रहा था। आटा, दाल, तेल, मसालों सहित ड्रायफ्रूट में लगी महंगाई की आग सब्जियों तक में पहुंच गई।

इन 12 महीनों में खाद्य पदार्थों की कीमतों में नौ से लेकर 100 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई है। दिसंबर 2023 में सोयाबीन, सरसों सहित अन्य खाद्य तेलों के भाव 120 से 130 रुपये प्रतिलीटर थे। दिसंबर 2024 में इनकी कीमतें बढ़कर 140-150 रुपये प्रति लीटर पहुंच गई।

जो सब्जियां 30 से 40 रुपये प्रति किलो मिलती थीं, जो बढ़कर 60 से 80 रुपये प्रति किलो इस दिसंबर में मिल रही हैं। इससे हर घर की रसोई का एक महीने का बजट 500 से 1000 रुपये तक बढ़ गया है। भोपाल किराना व्यापारी महासंघ के महामंत्री विवेक साहू बताते हैं कि सरकार ने विदेश में गेहूं का निर्यात बढ़ाया। इससे अनाज मंडियों में गेहूं की आवक कम होने लगी और आटा महंगा हुआ।

सोयाबीन, सूरजमुखी के कच्चे तेलों पर आयात शुल्क बढ़ाने के कारण और पाम आयल की कीमत 100 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 137 रुपया प्रति लीटर हो गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पाम आइल महंगा होने से खाद्य तेलों के दाम बढ़ते गए। करोंद सब्जी मंडी थोक विक्रेता कल्याण समिति के अध्यक्ष मोहम्मद नसीम बताते हैं कि इस वर्ष बिन मौसम वर्षा से फसल व सब्जियों की पैदावार 25 से 30 प्रतिशत कम रही।

ऐसे बढ़ गया हर घर की रसोई का बजट

अर्थशास्त्री आरजी द्विवेदी बातते हैं कि बीते एक वर्ष में किराना व सब्जियों के दाम बढ़े हैं। महंगाई धीरे-धीरे बढ़ती रही। रोजमर्रा की आवश्यक खाद्य सामग्री 50 प्रतिशत तक बढ़ गई। इससे हर घर की रसोई का 20 से 25 प्रतिशत तक बजट बढ़ा है। उदाहरण के तौर पर एक चार से पांच सदस्यीय परिवार में हर महीने किराने की सामग्री 2500 से 3000 हजार रुपये तक आती थी। अब 3500 से 4000 रुपये तक सामग्री आने लगी है। वहीं हर महीने 1200 से 1800 तक सब्जियां आती थीं, जिसका बजट दोगुना हो गया है।